(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

कांच की चीजों से जिद्दी दाग...8

मंगलवार, 24 अगस्त 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 248 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार से रोकने की याचिका पर कोर्ट ने ईसी को जवाब देने का समय दिया

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को निर्वाचन आयोग (ईसी) को उस याचिका पर जवाब दाखिल करने का समय दिया, जिसमें आयोग द्वारा कोविड–19 महामारी के मद्देनजर जारी मास्क पहनने सहित अनिवार्य दिशानिर्देशों का बार–बार उल्लंघन करने वाले प्रचारकों और उम्मीदवारों को प्रचार करने से प्रतिबंधित करने का अनुरोध किया गया है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि याचिका अब व्यर्थ है क्योंकि यह असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में प्रचार के संबंध में थी जो अप्रैल में समाप्त हो गए थे। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने निर्वाचन आयोग को याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया और मामले को 18 अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

अदालत उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी और थिंक टैंक 'सेंटर फॉर एकाउंटेबिलिटी एंड सिस्टमिक चेंज' (सीएएससी) के अध्यक्ष विक्रम सिंह की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि केंद्र और निर्वाचन आयोग के आदेशों और दिशानिर्देशों के बावजूद, ''कोविड–19 नियमों की परवाह किए बिना चुनाव प्रचार जोरों पर चल रहा है।'' याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता विराग गुप्ता ने कहा कि निर्वाचन आयोग यह नहीं कह सकता कि याचिका का अब कोई औचित्य नहीं रह गया है और उनका और निष्पक्ष चुनाव कराने से संबंधित है।

गृह मंत्रालय ने याचिका में दायर अपने जवाब में पहले कहा था कि उसने इस साल मार्च में सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को सभी सभाओं में कोविड घ्द–19 के उचित व्यवहार का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कहा था। केंद्र सरकार के स्थायी वकील अनुराग अहलूवालिया के माध्यम से दायर हलफनामे में, उसने कोविड–19 के उचित व्यवहार और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के सख्त पालन के लिए आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी दिशा–निर्देशों में प्रावधान किए हैं। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया था कि चुनाव की घोषणा करते समय निर्वाचन आयोग ने अपनी अधिसूचना में कहा था कि ''हर व्यक्ति को चुनाव से आवेदन भी इस मामले में लंबित है। निर्वाचन आयोग की ओर से अधिवक्ता सिद्धांत कुमार ने कहा कि याचिकाकर्ता जांच की मांग कर रहे है जबकि दिल्ली में कोई चुनाव नहीं हो रहा था जहां याचिका दाखिल की गई थी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग राज्य सरकार की जगह नहीं ले सकता है और यह केवल स्वतंत्र एक फेस मास्क पहनना होगा'', लेकिन राजनीतिक दलों, उनके नेताओं तथा प्रचारकों द्वारा महामारी के दौरान आयोजित रैलियों, जनसभाओं और रोड शो में इसका उल्लंघन किया गया। असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव विभिन्न चरणों में हुए थे। मतदान 27 मार्च को शुरू हुआथा और 29 अप्रैल को संपन्न हुआ था।

महबूबा की तालिबान से जुड़ी टिप्पणी भारत विरोधी और बेतुकी: अनुराग ठाकुर

हमीरपुर (हिप्र)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के उस बयान को 'भारत विरोधी' और 'बेतुका' करार दिया है जिसमें उन्होंने जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने की मांग करते हुए अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जे का हवाला दिया था। ठाकुर ने यहां रविवार रात संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि पीडीपी और उसके सहयोगी सत्ता से बाहर होने और अगस्त, 2019 में अनुच्छेद 370 हटाये के कारण परेशान चल रहे हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि जम्मू–कश्मीर और लद्दाख भाजपा की सरकार में विकास के मार्ग पर अग्रसर हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा ने शनिवार को कहा था कि केंद्र सरकार को अफगानिस्तान से सबक लेना चाहिए जहां तालिबान ने सत्ता पर कब्जा कर लिया और अमेरिका को भागने पर मजबूर किया। महबूबा मुफ्ती ने साथ ही सरकार से जम्मू–कश्मीर में बातचीत करने और 2019 में रद्द किए गए विशेष दर्जे को वापस करने का आग्रह किया। अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा सत्ता पर कब्जा करने का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र को ''हमारी परीक्षा नहीं लेने'' की चेतावनी दी और सरकार से ''अपने तरीके सुधारने, स्थिति को समझने और अपने पड़ोस में क्या हो रहा है वह देखने के लिए कहा।'' अनुराग ठाकुर ने महबूबा के बयान को 'भारत विरोधी' और 'बेतुका' करार दिया। उन्होंने कहा कि पीडीपी और उसके साथियों को समझना चाहिए कि अतीत में हुआ वो अब नहीं दोहराया जाएगा और दोनों केंद्र–शासित प्रदेश अब विकास के रास्ते पर चल रहे हैं तथा भारत के आदर्श राज्य बनेंगे। भाजपा की हिमाचल प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सुरेश कश्यप, राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री वीरेंद्र कंवर और राज्य सरकार की उप मुख्य सचेतक कमलेश कुमारी भी ठाकुर के साथ संवाददाता सम्मेलन में मौजूद थीं। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि नयी शिक्षा नीति में खेलों को प्राथमिकता दी जाएगी और खिलाड़ियों को हर तरह की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी।

उत्तर प्रदेश सरकार का ऐलान, कल्याण सिंह के नाम पर छह जिलों की सड़कों का होगा नामकरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह के नाम पर प्रदेश के छह जिलों की सड़कों का नामकरण करेगी। प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री ने इसकी जानकी दी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पत्रकारों को बताया कि अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज, अलीगढ़, बुलंदशहर और एटा की एक–एक सड़कों का नामकरण कल्ध्याण सिंह के नाम पर किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''राम मंदिर के लिए उनके योगदान को आने वाली और वर्तमान पीढ़ी कभी भुला नहीं पाएगी। उन्होंने राम और राम भक्तों के लिए अपनी सत्ता कुर्बान कर दी लेकिन किसी राम भक्त पर कोई आंच नहीं आने दी, ऐसे बाबूजी के नाम पर सड़कों का नामकरण किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दे दिये गये हैं।'' कल्ध्याण सिंह का शनिवार रात लखनऊ के संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआई) में निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे।

उपकेन्द्र लोहरौली ठकुराई बदहाली का शिकार, जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं

संतकबीरनगर। स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने की सरकारी मंशा पर ग्रहण लग गया है। मरम्मत और देखरेख के अभाव में उपकेन्द्र लोहरौली बदहाली का शिकार होकर रह गया है। जानकारी व मांग के बाद भी संबंधित जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं। दुधारा थाना क्षेत्र के गांव लोहरौली ठकुराई में स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से शासन ने दशकों पूर्व लाखों की लागत से उपकेन्द्र स्थापित किया था। जिससे लोगों में आस जगी थी कि अब दवा इलाज के लिए हो रही परेशानियों से निजात मिल सकेगी। लेकिन विभागीय जिम्मेदारों की उदासीनता और लापरवाही के कारण उपकेन्द्र लोहरौली ठकुराई निष्प्रयोज्य बना हुआ है। मरम्मत और देखरेख के अभाव में बदहाली का दंश झेल रहा है।

जाति आधारित जनगणना की मांग पर बोले ओवैसी- यह जरूरी है, मोदी जी को इस पर कानून बनाना चाहिए

जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर बिहार के साथ–साथ देश की भी राजनीति गर्म है। आज बिहार का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नीतीश कुमार के नेतृत्व में मिला। इस मुलाकात के दौरान नीतीश कुमार के प्रतिनिधिमंडल में एआईएमआईएम के अख्तरुल इमान शामिल थे। अब इसी को लेकर एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बयान दिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पिछड़े वर्ग के लोगों की बेहतरी के लिए जाति जनगणना का क्रियान्वयन महत्वपूर्ण है। जाति जनगणना शुरू की जानी चाहिए। मोदी जी के पास संसदीय शक्ति है, उन्हें कानून बनाना चाहिए। ओबीसी का उप–वर्गीकरण भी महत्वपूर्ण है। ओवैसी ने आगे कहा कि जातिगत जनगणना करने की जरूरत है और जरूरी है कि जो हर तरह से पिछड़े हैं उनका करना चाहिए, इसमें गलत क्या है। हर राजनीतिक पार्टी ये कह रही है कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य के 10 दलों के प्रतिनिधिमंडल ने देश भर में जाति आधारित जनगणना कराए जाने के समर्थन में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में कुमार के अलावा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समेत कई अन्य दलों के प्रतिनिधि भी शामिल थे। कुमार और यादव ने जाति आधारितजनगणना का मजबूती से समर्थन किया।

राहुल के इस्तीफे के बाद बिखरने लगी कांग्रेस की युवा ब्रिगेड, भविष्य को लेकर भी अनिश्चितता जारी

नयी दिल्ली। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद हार की जिम्मेदारी लेते हुए मौजूदा कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी ने पद से इस्तीफा दे दिया था। यही वो समय है जब कांग्रेस के युवा ब्रिगेड के कमजोर होने की शुरुआत हो गई थी। राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद उनके खेमे के नेताओं की फजीहतें शुरू हो गईं। अध्यक्षों को बदला गया और चुनावों की तरफ ध्यान केंद्रित किया गया और युवा ब्रिगेड की अनदेखी शुरू हो गई। कई युवा नेता पार्टी में खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे। राहुल युवा चेहरों को कांग्रेस की पीढ़ी मानते थे लेकिन धीरे–धीरे दूरियां भी बढ़ती गईं। युवाओं ने छोड़ा पार्टी का साथः राहुल गांधी जिन्हें कांग्रेस का भविष्य समझते थे वो अब पार्टी से खफा हैं। राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव तो हारा ही साथ ही साथ अपने करीबी मित्रो और भरोसेमंद साथियों का भरोसा गंवा दिया। जिसकी वजह से युवा ब्रिगेड ने पार्टी को अलविदा कहना शुरू कर दिया। ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रशाद, अशोक तंवर, प्रियंका चतुर्वेदी, खुशबू सुंदर, प्रद्योत माणिक्य वर्मा, सुष्मिता देव इत्यादि ने पार्टी छोड़ दी। जबकि कुछ तो पार्टी में

साइडलाइन हैं। जिनमें सचिन पायलट, दीपेंद्र हुड्डा, मिलिंद देवड़ा और नवीन जिंदल शामिल हैं। आपको बता दें कि कांग्रेस के जिन युवा ब्रिगेड ने अभी तक पार्टी का साथ छोड़ा है उन्हें पार्टी ने अपना भविष्य माना था लेकिन वह पार्टी में खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे थे। पार्टी ने भी उन्हें आत्मविश्वास में लेना सही नहीं समझा। ऐसे में कांग्रेस का भविष्य अब दूसरे दलों में है। आखिर अब कांग्रेस के युवा ब्रिगेड की चर्चा क्यों हो रही है ? यह सवाल भी अपने आप में लाजिमी है। क्योंकि सुष्मित देव के पार्टी छोड़ने पर दिग्गज नेता कपिल सिब्बल ने एक ट्वीट किया था। जिसे तंज के रूप में देखा जा सकता है। उन्होंने ट्वीट किया था कि सुष्मिता देव ने हमारी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। जब युवा चले जाते हैं तो हम बूढ़ों को इसे मजबूत करने के हमारे प्रयासों के लिए दोषी ठहराया जाता है। पार्टी आगे बढ़ती रहती है, आंखें बंद करके। निडर नेताओं की कांग्रेस में हो एंट्री !: कांग्रेस का मौजूदा हाल देखें तो यह कह सकते हैं कि पार्टी का युवा ब्रिगेड बिखर गया है। राहुल गांधी को भी कहीं–न–कहीं यही लगता है। तभी तो उन्होंने कहा था कि जो लोग हकीकत और भाजपा का सामना नहीं कर सकते वो पार्टी छोड़ सकते हैं और निडर नेताओं को कांग्रेस में लाना चाहिए। यह पहला मौका था जब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पार्टी के सोशल मीडिया विभाग के 3,500 कार्यकर्ताओं को जूम के माध्यम से संबोधित किया था।

इसे भी पढ़ेंरू भाजपा को ''हिंदू'' शब्द को हाईजैक करने की अनुमति नहीं दी जाएगी : हरीश रावत

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कांग्रेस के दिग्गज नेता ने नाम न छापने की शर्त पर एक प्रतिष्ठित अखबार को जानकारी दी कि हम भी कांग्रेस की मौजूद स्थिति को लेकर खुश नहीं है और उनका मानना है कि भविष्य में भी कोई सुधार नहीं होने वाला है। हालांकि पार्टी छोड़ने के बारे में विचार नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि जिंदगी के अहम साल उन्होंने पार्टी के साथ गुजारे हैं।

तालिबान ने अमेरिका को दी धमकी, 31 अगस्त तक हटाए अपनी सेना नहीं तो परिणाम भुगतने के लिए रहे तैयार

काबुल। अफगानिस्तान के अधिकतर प्रांतों पर तालिबान का कब्जा है। राष्ट्रपति अशरफ गनी देश छोड़कर सयुक्त अरब अमीरात (यूएई) चले गए हैं। इसी बीच तालिबान ने अमेरिका को धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका अपनी फौज को 31 अगस्त तक हटाए नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे। दरअसल, अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद अफरा तफरी का माहौल है। वहां पर मौजूद ज्यादातर लोग देश छोड़ने के लिए विवश हैं। ऐसे में काबुल हवाई अड्डे पर भारी तादाद में लोग मौजूद हैं। इसी बीच तालिबान के प्रवक्ता सोहेल शाहीन ने कतर में बैठकर अमेरिका को धमकी दी है। काबुल हवाई अड्डे में मौजूद है अमेरिकी सेनाः आपको बता दें अमेरिका ने काबुल हवाईअड्डे को अपने अधिकार में रखा है ताकि सैन्य विमानों समेत अन्य विमान उड़ान भर सकें। काबुल में अभी अमेरिका के करीब 6,000 सैनिक तैनात हैं। दरअसल, अमेरिकी सैनिक 82वीं एयरबॉर्न रनवे को सुरक्षा मुहैया करवा रही है, सेना की 10वीं माउंटेन डिविजन हवाईअड्डे की सुरक्षा में तैनात है तथा 24वीं मरीन इकाई असैन्य नागरिकों की निकासी में मदद दे रही है। अपने लोगों को लगातार निकाल रहा अमेरिकाः अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हाल ही में कहा था कि अमेरिका जुलाई से 18,000 से अधिक लोगों को अफगानिस्तान से निकाल चुका है और 14 अगस्त को सेना द्वारा हवाईमार्ग से निकासी का कार्य शुरू होने के बाद से करीब 13,000 लोगों को निकाला जा चुका है। बाइडन ने अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी के अपने फैसले का बचाव भी जारी रखा है।

संघ ने किया जमीनी स्तर पर समरसता का काम शुरू,सैकड़ों बहनों के साथ मनाया गया रक्षा बंधन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने रक्षाबंधन के पवित्र दिन के अवसर पर समरसता और सद्भाव प्रयासों के रूप में समृद्ध भारतीय परंपराओं, संस्कृति और लोकाचार को ध्यान में रखते हुए जनता के साथ जुड़कर अपने प्रयासों को जमीन पर नवीनीकृत किया। इस अवसर पर आरएसएस के स्वयं सेवक श्री करनैल सिंह जोगी ने शालीमार बाग सेवा बस्ती में जाति, धर्म और समाज के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी वर्गों से जुड़े सैकड़ों बहनों के साथ रक्षा बंधन मनाया। इस कार्यक्रम के आयोजन से जुड़े शिव कृपा सत्संग मंडल संघ के एक प्रतिनिधि ने कहा कि रक्षाबंधन, भारतीय संस्कृति और परंपराओं के उत्सव के रूप में समाज के सभी वर्गों की बहनों द्वारा स्वयं सेवक करनैल सिंह जोगी जी को पवित्र राखी बांधने के साथ समरसता, एकता और सद्भाव के पवित्र उत्सव का साक्षी बनना वास्तव में एक महान क्षण था और हम इस कार्यक्रम के आयोजन में भाग लेकर बहुत खुश हैं।

इस मौके पर करनैल सिंह जोगी ने कहा कि इतने बड़े अवसर का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है। विशेष रूप से समाज के सभी वर्गों की मेरी बहनों के बीच आना। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मेरी बहने अमीर हैं या गरीब या वे किस जाति या स्थान से हैं। मेरे लिए, यह अधिक महत्वपूर्ण है कि वे उस जगह का हिस्सा हैं जहां मैं हूं और यह एक ऐसा सौभाग्य है जिसे आप राखी बांधना जानते हैं। मैं इस पल को कभी नहीं भूल पाऊंगा। मैं आने वाले दिनों में इस महान कार्य को जारी रखूंगा और अपनी बहनों के लिए जितना संभव हो सके करूंगा। वे उनके सगे भाई की तरह किसी भी समय हर सभवः मदद के लिए तैयार रहूँगा। जब भी उन्हें जरूरत होती है मैं उनके साथ रहूँगा। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में ऐसे कई समरस्ता कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें श्री करनैल सिंह जोगी ने शोभा बढ़ाई और एकता, सद्भाव और एकजुटता का संदेश फैलाया।

कैसे लॉकडाउन में भारत के सबसे गरीब जिलों में से एक ने आपदा को अवसर में बदला, अब परिधान उद्योग केंद्र बनने की राह पर है

गांधी का इतिहास, गन्ने की मिठास, जहां है प्रकृति और धरती का मेल। बेजोड़, खूबसूरत जंगलों का नहीं है कोई तोड़। रहते हैं जहां बाघ और छिड़ता है बेतिया घराने का राग। जी हां हम बात कर रहे हैं बिहार के एक जिले पश्चिमी चंपारण की जिसे साल 2009 से पहले बेतिया कहा जाता था। लेकिन 2009 के परिसीमन के बाद इसका नाम पश्चिमी चंपारण हो गया। कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया को चुनौती दी, एक–एक दिन में सैकड़ों जाने ली। साल 2020 में कोरोना महामारी के संकट को देखते हुए 25 मार्च को भारत में संपूर्ण लॉकडाउन घोषित किया गया और यहां कि 130 करोड़ की आबादी घरों में कैद हो गई। लेकिन कोरोना महामारी में जब पूरा देश लॉकडाउन का सामना कर रहा था उसके बाद बिहार का एक जिला पश्चिमी चंपारण सबसे प्रसिद्ध निर्यात के रूप में खुद को संवारने में लगा था। जिला प्रशासन के अनुमान के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा मार्च 2020 में देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के बाद देश के विभिन्न हिस्सों से पश्चिम चंपारण में 1. 20 लाख से अधिक प्रवासी श्रमिक आए। लेकिन जिला प्रशासन की मदद से, श्रमिकों ने विनिर्माण स्टार्टअप बनाने के लिए समूह बनाया जो बिहार के परिवर्तन के लिए एक मॉडल हो सकता है। देखते ही देखते बिहार के इस जिले से ट्रैक सूट लद्दाख भेजे जाते हैं और जैकेट का स्पेन में निर्यात होना शुरू हो गया है। कोरोना महामारी में पिछले साल जब लॉकडाउन लगा उसके बाद बिहार का पश्चिम चंपारण जिला सबसे प्रसिद्ध निर्यात के रूप में उभरा है। यह कहानी है भारत के सबसे गरीब और सबसे पिछड़े जिलों में से एक की जिसने आपदा को अवसर में बदल दिया।

लॉकडाउन के बाद श्रमिकों की घर वापसीः अप्रैल 2020 एक ऐसा समय है जिसे इदरीश अंसारी और अर्चना कुशवाहा कभी नहीं भूल सकते।

ये दोनों भी बीते बरस कोरोना त्रासदी के बाद लगे लॉकडाउन में अपने गांव लौटने वाले 1 लाख श्रमिकों में शामिल हैं। अंसारी ने दिल्ली से और कुशवाहा ने सूरत से अपने काम को छोड़ना पड़ा और चंपारण लौटने पर विवश हो गए जबकि वो जानते थे कि वहां उनके लिए काम नहीं है। दोनों स्किलड वर्कर्स थे लेकिन फिर भी उनके लिए बिहार में काम नहीं था। लॉकडाउ के दौरान आने वाले मजदूरों को संभावित रूप से कोविड प्रवाह को रोकने के लिए और उन्हें उनके घर पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन ने 418 क्वारंटीन सेंटर बनाए। इन केंद्रों में लगभग 80,000 श्रमिकों को क्वारंटाइन किया गया, जबकि अन्य को घर पर आइसोलेट किया गया। मजदूरों का डेटा बेस हुआ तैयार और ऐसे बनी स्टार्टअप शुरू करने की योजान : यह एक मुश्किल वक्त था लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी क्योंकि जिला प्रशासन की ओर से इस भीषण त्रासदी और उससे उपजे संकट से पार पाने के लिए कुशलता से कार्य किया गया। क्वारंटीन के वक्त ही जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने प्रवासी श्रमिकों की स्किल को पहचाना और उनकी योग्यता के हिसाब से स्किल मैपिंग प्रोग्राम शुरू किया। धीरे–धीरे 80 हजार से अधिक श्रमिकों का एक डेटाबेस तैयार हो गया।अंग्रेजी वेबसाइट द प्रिंट से बात करते हुए जिला अधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि हमने पाया कि ये श्रमिक अपने क्षेत्र में अत्यधिक कुशल हैं। वे उत्पादन श्रृंखला के सभी कार्यक्षेत्रों को जानते थे। वे कम्प्यूटरीकृत कढ़ाई और लेजर तकनीक जानते थे। स्किल–मैपिंग की कवायद के बाद प्रशासन ने स्थानीय स्तर पर स्टार्ट–अप स्थापित करने के लिए इन मजदूरों की मदद ली। कुमार ने कहा कि चनपटिया ब्लॉक में राज्य खाद्य निगमों के बड़े गोदाम बेकार पड़े थे, इसलिए हमने उनसे संपर्क किया और उन्होंने हमें उनका इस्तेमाल करने दिया।

जिला प्रशासन की मदद से मिला ऋणः सारी कवायदों के बाद सबसे बड़ी जरूरत पैसों की थी। ऐसे में प्रशासन ने शुरुआत में न केवल उद्यमियों को मशीनरी और कच्चा माल खरीदने में मदद की बल्कि जिला अधिकारी कुंदन कुमार ने विभिन्न बैंकों से ऋण भी हासिल करने में श्रमिकों और बैकों के बीच बैठक की व्यवस्था करवाई। जिला प्रशासन के अनुसार, लगभग सभी इकाई मालिकों को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए 25 लाख से 50 लाख रुपये के बीच ऋण मिला है। लोन ने उन्हें पुराने उत्पादन केंद्रों से बिजली–करघे, कम्प्यूटरीकृत कढ़ाई मशीन, काटने के लिए लेजर और अन्य मशीनरी खरीदने और यहां तक कि समान उपकरण आयात करने में सक्षम बनाया। पहली इकाई आधिकारिक तौर पर अगस्त 2020 में लसानी गारमेंट्स द्वारा शोएब ताहिर द्वारा शुरू की गई थी, जो लुधियाना में काम करते थे। हालांकि, जिला प्रशासन 27 जून को वर्षगांठ मनाएगा, जिस दिन योजना को धरातल पर उतारने के लिए पहली बैठक आयोजित की गई थी।

दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे पर टोल फ्री सफर के आनंद पर विराम, एक सितंबर से लग सकता है टोल

दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे (डीएमई) पर पांच महीने के मुफ्त सफर का आनंद अब खत्म होने जा रहा है। चिपियाना (गाजियाबाद) में छह लेन का रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) तैयार होने के बाद नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने परिवहन मंत्रालय से टोल वसूली की मंजूरी मांगी है। बताया गया कि मंत्रालय मौखिक सहमति दे चुका है, बस अब लिखित मंजूरी का इंतजार है। स्वीकृति मिलते ही एनएचएआई टोल दरों का प्रकाशन करेगी। उसके बाद सराय काले खां से मेरठ के बीच संभवतरू एक सितंबर से टोल लगना शुरू हो जाएगा। सराय काले खां से मेरठ के बीच दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे तैयार हो चुका है, जिसमें डासना से हापुड़ के बीच का चरण भी शामिल है। एक्सप्रेसवे के दूसरे चरण (यूपी गेट से डासना) में चिपियाना आरओबी का काम पूरा न होने के कारण मंत्रालय से टोल वसूली के प्रस्ताव को रोक दिया था। मंत्रालय का तर्क था कि कम से कम छह लेन यातायात के लिए उपलब्ध होने पर ही टोल वसूली हो।

अब चिपियाना गांव की तरफ बन रहा छह लेन का आरओबी तैयार है। साथ ही एनएच–24 (पुराना) के दो पुराने आरओबी में से एक को यातायात के लिए खोल के रखा जाएगा, जिसकी दो लेन मिलेगी। इस तरह से आठ लेन पर वाहन दौड़ सकेंगे। एनएचएआई अधिकारियों का कहना है कि छह लेन के नए आरओबी पर लोड टेस्ट हो चुका है, जिसे अभी यातायात के लिए खोला गया है, लेकिन मंगलवार को फिर से बंद किया जाएगा। क्योंकि अभी स्ट्रीट लाइट के लिए खंभों की फिटिंग व अन्य काम बचा है, जिसे एक बार बंद करने पर चार से पांच दिन में पूरा कर लिया जाएगा। एनएचएआई ने टोल वसूली का प्रस्ताव 1.60 से दो रुपये प्रति किमी की दर से करने का प्रस्ताव भेजा है, जिस चरण में आरओबी, अंडरपास या एलिवेटेड रोड की संख्या ज्यादा है, उस चरण में दो रुपये प्रति किमी तक की दर से टोल वसूली होगी। सराय काले खां से मेरठ के बीच 125 से 135 रुपये टोल वसूली हो सकती है। वहीं, डासना से मेरठ के बीच 60 रुपये टोल वसूलने का प्रस्ताव है। डीएमई देश का पहला ऐसा एक्सप्रेसवे होगा, जिस पर दूरी के हिसाब से टोल वसूली होगी। चलते वाहन से फास्टैग के जरिये टोल वसूलने वाला भी पहला एक्सप्रेसवे होगा। इसके लिए पूरे एक्सप्रेसवे पर 130 ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर (एएनपीआर) कैमरे लगाए गए हैं, जिनका बीते तीन महीनों से ट्रायल चल रहा है। इसके लिए सभी फास्टैग कंपनियों के साथ भी करार हो चुका है। डासना से सराय काले खां के बीच दो लेन की सड़क बनाई गई है, जिसमें बीच की छह लेन एक्सप्रेसवे, उसके बाद दोनों तरफ की दो–दो लेन नेशनल हाईवे और एनएच के बराबर में दो–दो लेन की सर्विस रोड दोनों तरफ बनाई गई हैं। अब इन दोनों चरणों में सिर्फ एक्सप्रेसवे की लेन में चलने पर ही टोल लिया जाएगा।एक्सप्रेसवे पर सराय काले खां,अक्षरधाम, फूल मंडी (दिल्ली),यूपी गेट (एलिवेटेड रोड से पहले),एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज (कॉसिंग रिपब्लिक),डासना,ईस्टर्न पेरिफेरल लूप,परतापुर से एंट्री होगी। , एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर मुदित गर्ग ने बताया की अभी नए आरओबी को दो दिन के बाद बंद करेंगे। उसके बाद लाइट व अन्य काम पूरा करके खोल दिया जाएगा। इसी बीच टोल वसूली को लेकर मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। 30 अगस्त तक स्वीकृति मिलने की पूरी संभावना है, उसके बाद एक सितंबर से टोल वसूली शुरू कर दी जाएगी।

न्यायालय सिविल जज (सी०डी०) सिद्धार्थनगर

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 46/सन् 2021
1. रामशंकर उम्र करीब 68 वर्ष पुत्र चन्द्रभान, निवासी ग्राम जोखवलिया, तप्पा–डबरा ,पर0 नौगढ़, तहसील शोहरतगढ़, जिला–सिद्धार्थनगर,हालमुकाम, ग्राम खुनुआ,तप्पा–बंजरहा, परगना–नौगढ़,तहसील–शोहरतगढ़, जनपद–सिद्धार्थनगर।
प्रार्थी.....बनाम/इस्टेट

प्रार्थना–पत्र अन्तगर्त धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

1. मृतक का नाम व मृत्यु का दिनांक व समय–स्व. श्रीमती सुशीला पत्नी रामशंकर,मृत्यु दिनाक 24.06.2019 2.. मृत्यु के समय मृतक का निवास स्थान व पता यदि वह निवास स्थान जिस न्यायाधीशके समक्ष प्रार्थना पत्र प्रेषित है के सीमा क्षेत्र में नही है तो उस स्थिति में मृतक के सम्पत्ति जो उस सीमा क्षेत्र मे स्थित नही है–ग्राम जोखवलिया, तप्पा–डबरा,परगना नौगढ़,तह0–शोहरतगढ़, जिला–सिद्धार्थनगर जो न्यायालय के सीमाक्षेत्र के अन्तगर्त स्थित है। 3.रिश्तेदार मृतक मय पता व मृतक से सम्बन्ध–1.अरविन्द त्रिपाठी पुत्र तीर्थराम त्रिपाठी,निवासी ग्राम–खुनुवा,पर0नौगढ़,तह0 शोहरतगढ़,सि0नगर (मृतक का सगा भाई) 2.सम्पुर्णानन्द चौबे पुत्र रामभरोसे।जनपद सिद्धार्थ नगर क्या धारा 372 के अन्तर्गत या अन्य किसी प्राविधान के अन्तर्गत प्रमाण पत्र स्वीकार करने में कोई अड़चन है या नही ?–नही चुकि.....आदि ने प्रमाण पत्र को अभ्रिप्राप्ति के लिए आवेदन दिया है और सन् 2021 के मास अक्टुबर के 01 दिवस को (01.10.2021) आवेदन की सुनवाई के लिए तारीख नियत हुआ है।अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को भी उक्त आवेदन के संबंध में आपत्ति हो वह स्वंय या आधिवक्ता द्वारा 10.00 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज सी0डी0 स्थान सिद्धार्थ नगर में नियत दिनांक पर उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करे।उक्त दिनांक के असवान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के संबंध में यथोचित

आदेश पारित होगा। दिनांक– 17.08.2021

हस्ताक्षर
न्यायाधीश
न्यायालय का मुहर

प्रयागराज कुंभ में कार–मोपेड के नाम पर खरीदे ट्रैक्टर, CAG रिपोर्ट को लेकर आप ने योगी सरकार को घेरा

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने नियंत्रक एवं लेखा महा परीक्षक (ब।ळ) की रिपोर्ट को लेकर योगी सरकार की घेरेबंदी शुरू कर दी है। आप ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार वर्ष 2019 में प्रयागराज में आयोजित कुंभ मेले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया। पार्टी के राज्यसभा सदस्य और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने सोमवार को एक बयान में आरोप लगाया कि सीएजी की रिपोर्ट में बताया गया है कि कुंभ मेले के आयोजन के लिए जो 2700 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे, उनमें भारी अनियमितता बरती गई है। उन्होंने दावा किया कि ऑडिट में यह पकड़ा गया है कि कुंभ मेले के आयोजन के लिए 32 ट्रैक्टर खरीदे गए वे कार, मोपेड और स्कूटर के नंबर पर हैं। यह तो एक छोटा सा उदाहरण है, मगर आप इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि कुंभ के मेले के नाम पर कितना बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है।सिंह ने आरोप लगाया कि प्रभु श्री राम का मंदिर हो, चाहे प्रयागराज का कुंभ हो, भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार का कोई भी मौका नहीं छोड़ रही है। संजय सिंह ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा से कहना चाहता हूं कि कम से कम धर्म को तो बख्श दो। कभी प्रभु श्री राम के मंदिर के नाम पर चंदा चोरी करते हो, कभी प्रयागराज के कुंभ मेले के

आयोजन के नाम पर भ्रष्टाचार करते हो। पूरे उत्तर प्रदेश की जनता आपके सच को देख रही और समय आने पर जवाब देगी। गौरतलब है कि साल 2019 में प्रयागराज में संपन्न कुंभ मेले के आयोजन की लेखा परीक्षा में करोड़ों रुपये का अपव्यय सामने आया है। लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के मुताबिक, नगर विकास विभाग ने कुंभ मेला अधिकारी को 2,743. 60 करोड़ रुपये स्वीकृत किया था, जिसके मुकाबले जुलाई, 2019 तक 2,112 करोड़ रुपये खर्च किये गये। रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के अभिलेखों से मेसर्स स्वास्तिक कंस्ट्रक्शन से संबंधित सत्यापन रिपोर्ट में उल्लिखित 32 ट्रैक्टरों की पंजीकरण संख्या के सत्यापन में पाया गया कि 32 में से चार ट्रैक्टरों के पंजीकरण नंबर एक मोपेड, दो मोटरसाइकिल और एक कार के थे। रिपोर्ट के मुताबिक इसके अलावा, विभिन्न विभागों ने भी अपने बजट से कुम्भ मेले से संबंधित कार्यों, सामग्री खरीदने के लिए धन जारी किया था, हालांकि अन्य विभागों द्वारा निर्गत धन की जानकारी मेला अधिकारी ने उपलब्ध नहीं कराई जिससे व्यय की समग्र स्थिति का पता नहीं लगाया जा सका।

आपदा राहत कोष से भी कर दिया आवंटन

लेखा परीक्षा के अनुसार कुम्भ मेले के लिए उपकरणों की खरीद के लिए राज्य आपदा राहत कोष से गृह (पुलिस) विभाग को 65.87 करोड़ रुपये का आवंटन किया, जबकि राज्य आपदा राहत कोष का उपयोग केवल चक्रवात, सूखा, भूकंप, आग, बाढ़, सुनामी, भूस्खलन आदि से पीड़ित लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए होता है।

रिपोर्ट में वित्तीय स्वीकृति से अधिक या बगैर वित्तीय स्वीकृति के कार्य कराए जाने के मामले भी सामने आए हैं. नगर विकास विभाग ने मेला क्षेत्र में टिन, टेंट, पंडाल, बैरिकेडिंग कार्यों के लिए 105 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की थी, जबकि मेला अधिकारी ने 143.13 करोड़ रुपये के कार्य कराए। इससे 38.13 करोड़ रुपये की देनदारियों का सृजन हुआ।

निविदाएं देने में भी अनियमितता

लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड ने नगर विकास विभाग से वित्तीय स्वीकृति प्राप्त किए बगैर सड़कों की मरम्मत एवं सड़कों के किनारे पेड़ों पर चित्रकारी से संबंधित 1.69 करोड़ रुपये की लागत से छह कार्य कराए। इसमें से एक कार्य के लिए 52.86 लाख रुपये का भुगतान एक अन्य कार्य की बचत की धनराशि से किया गया जो कि अनियमित था। लेखा परीक्षा जांच में पाया गया कि तीन कार्य उन निविदादाताओं को दिए गए जो बोली लगाने की क्षमता के आधार पर निविदा के लिए पात्र नहीं थे। वहीं, फाइबर प्लास्टिक शौचालयों (सैप्टिक टैंक.. सोकपिट) के लिए समिति द्वारा निर्धारित मानक कीमतें, फर्मों द्वारा इच्छा पत्र में डाली गई कीमतों से अधिक थीं और निविदा की दरें और भी अधिक थीं।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर हुआ शोक सभा आयोजन,दी गयी श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। सोमवार को म्योरपुर पंचायत सचिवालय में म्योरपुर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यंमत्री व राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया।शोक सभा मे सभी ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को श्रंद्धाजलि अर्पित किया।भाजपा के जिला महामंत्री जीतसिंह खरवार ने कहा कि कल्याण सिंह एक सच्चे और ईमानदार छवि वाले नेता थे और भारतीय संस्कृति के पुरोधा थे ।भाजपा के वरिष्ठ नेता सोनाबच्चा अग्रहरी ने कहा कि कल्याण सिंह सर्व समाज के नेता थे।इनके निधन के बाद देश ने एक सच्चा और ईमानदार नेता खो दिया है।।शोक सभा मे सरपंच गौरी शंकर सिंह , भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र के जिला महामंत्री जीत सिंह खरवार ,मंडल अध्यक्ष मोहरलाल खरवार, दुध्धी मंडल के प्रभारी सोनाबच्चा अग्रहरि , मंडल महामंत्री विष्णु कांत दुबे , मंडल कोषाध्यक्ष पवन अग्रहरि , ग्राम प्रधान प्रतिनिधि व सेक्टर प्रभारी गणेश जायसवाल , सेक्टर प्रभारी श्याम नारायण सिंह , सोशल मीडिया विभाग सोनभद्र के जिला संयोजक अमित रावत , दुद्धी विधानसभा संयोजक दीपक अग्रहरि , मेवाड़ पुर सेक्टर संयोजक जितेंद्र अग्रहरि, बूथ अध्यक्ष काशी सिंह , सुजीत अग्रहरी , महेश गोस्वामी , प्रवीण अग्रहरि , अमित जायसवाल, वार्ड सदस्य अंकित रावत, अरमान सिद्दीकी सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला अधिकारियों को नहीं मिल रही स्थायी सेवा

भारतीय सेना की कई महिला अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद स्थायी कमिशन नहीं मिल पाया है. इन महिला अधिकारियों ने अब अपने संघर्ष को और आगे ले जाने का फैसला किया है.भारतीय सेना में 28 महिला अधिकारी ऐसी हैं जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद परमानेंट कमिशन यानी स्थायी सेवा नहीं दी गई. इन महिला अधिकारियों को सेना ने सेवा से मुक्त करने के आदेश भी दे दिए हैं, लेकिन इनमें से कुछ ने अब इस आदेश के खिलाफ सशस्त्र बल अधिकरण में जाने का फैसला लिया है. क्या होता है स्थायी कमिशन भारतीय सेना में स्थायी कमिशन का मतलब होता है सेवानिवृत्ति तक सेना में काम करना. इसके लिए पुणे स्थित नेशनल डिफेन्स अकैडमी, देहरादून स्थित इंडियन मिलिट्री अकैडमी या गया सहित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकैडमी में भर्ती होना आवश्यक होता है. 2020 तक महिलाएं अधिकतम 14 साल तक भारतीय सेना में सेवाएं दे सकती थीं, लेकिन सुप्रीम

कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में सेना को महिला अधिकारियों को भी स्थायी सेवा देने का आदेश दिया. हालांकि कई महिला अधिकारियों का कहना है कि अभी भी उन्हें सेना द्वारा स्थायी सेवा के लिए नहीं चुना जा रहा है. एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना में करीब 43,000 अधिकारी हैं जिनमें से 1,653 महिलाएं हैं. अदालत के आदेश का कितना पालन हुआ सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 615 महिला अधिकारियों को स्थायी सेवा देने पर विचार किया गया, लेकिन इनमें से 277 महिलाओं को चुना गया. अनुत्तीर्ण घोषित की गई महिलाओं ने एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसने सेना को फटकार लगाई. फटकार के बाद सेना ने 147 अतिरिक्त महिला अधिकारियों को स्थायी सेवा दे दी. इस तरह 615 में से कुल 424 महिला अधिकारियों को स्थायी सेवा मिल गई. मार्च 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने सेना को फिर से आदेश दिया कि उन सभी महिला अधिकारियों को स्थायी सेवा दी जाए जिन्होंने सेना के आंकलन में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं, मेडिकल कसौटी पर खरी उत्तरी हैं और जिन्हें अनुशासनिक और विजिलेंस मंजूरी भी मिल चुकी है. 2021 में सेना ने 28 महिला अधिकारियों को स्थायी सेवा नहीं देने का फैसला किया था. जुलाई में इनको सेवा से [redacted] है कि उन्हें पहले पांच साल की और फिर 10 साल की सेवा पूरी होने के बाद अतिरिक्त सेवा के लिए भी चुना गया, लेकिन अब जाकर सेना कह रही है कि पहले पांच साल में उनके प्रदर्शन के आधार पर उन्हें योग्य नहीं पाया गया है. इन अधिकारियों का कहना है कि सेना ने अपने शुच्छ उद्देश्यों की पूर्ती के लिए एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का गलत अर्थ लगाया हैश. इन महिला अधिकारियों ने यह भी बताया कि अगर मूल्यांकन गलत लगे तो

जमुआर नाले में तैरती मिली महिला की लाश,हत्या में मुकदमा दर्ज

महिला के 2 साल के बच्चे के शव को अीाी भी ढूंढ रही पुलिस

चन्दन कुमार श्रीवास्तव/ दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जनपद के चिल्हिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अलीदापुर के टोला ऊंचडीह के जमुआर नाले में तैरती एक महिला की लाश मिली है। आपको बताते चलें कि मृतक महिला जिसका नाम प्रीति उम्र लगभग 23 वर्ष बताया जा रहा है। जो जिला आजमगढ़ की रहने वाली थी और दिल्ली के जहांगीरपुरी में प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। वहीं पर प्रीति की मुलाकात दीपक साहनी जो चिल्हिया थाना क्षेत्र के ऊंचडीह गांव का रहने वाला था 3 साल पहले दोनों ने दिल्ली में ही प्रेम विवाह किया और दोनों रहने लगे। अभी लगभग तीन महीने पहले दीपक अपने गांव ऊंचडीह आया और दिल्ली वापस नहीं गया तो प्रीति ने फोन करना शुरू किया लेकिन उसके बाद भी दीपक दिल्ली नहीं गया तो प्रीति खुद ही उसके गांव ऊंचडीह आ गई बताया जा रहा है कि दोनों के पास एक 2 साल का बच्चा भी था। किसी बात को लेकर दोनों में लड़ाई झगड़े हुए और रविवार को गांव के बगल में ही जमुआर नाले में प्रीति की रस्सी से बधी हुई लाश मिली। ग्रामीणों ने जिसकी सूचना ग्राम प्रधान पंकज चौबे को दिया और ग्राम प्रधान ने चिल्हिया थाने की पुलिस को सूचना दिया मौके पर चिल्हिया पुलिस ने पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में लेकर पति दीपक को हिरासत में ले लिया और लाश का पंचनामा भरकर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

पुलिस गहनता से जांच में जुटी हुई है। जबकि प्रीती के 2 साल के बच्चे का अभी तक कुछ पता नहीं चल पा रहा है। लोकल फ्रंट टीम की मदद से बच्चे की तलाश की जा रही है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक सुरेश चन्द्र रावत ने बताया कि एक ऊँचडीह गांव है जहां पर एक व्यक्ति है दीपक साहनी उसकी पत्नी है जिसकी डेड बॉडी मिली है गांव वालों ने सूचना दिया है और तत्काल पुलिस मौके पर पहुँची है। इस महिला की डेड बॉडी को पंचायतनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है गांव वालों का कहना है कि दीपक अपनी पत्नी को दहेज के कारण मारता पिटता था और इसने अपनी पत्नी की हत्या कर दिया है। इस सूचना पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जैसी स्थित होगी कार्यवाही की जायेगी। और अभी बच्चे की तलाश की जा रही है हमारी लोकल फ्रंट टीम तलाश कर रही लेकिन बच्चे का अभी पता नहीं चल पाया है। हमने एनडीआरएफ टीम को भी सुबह रिक्वेस्ट किया है अगली सुबह हम लोग तलाश करेंगे। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है जो आरोपी व्यक्ति है उससे पूंछताछ की जा रही है।

शिक्षकाएं बांधी पुलिस कर्मियों को राखी'

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। थाना क्षेत्र उसका बाजार परिसर में एकल विद्यालय की शिक्षकाएं थाने पर पहुंचकर पुलिस कर्मियों को बांधी राखी। थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने भी राखी बंधवाई और शिक्षकाओ को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं भी दिए एकल विद्यालय द्वारा रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर थाने पर जाकर पुलिस कर्मियों को बांधी राखी। तीजू प्रसाद, अंगद,राम नरेश, दिव्या पांडेय, अर्चना पांडेय, नीलम , अंजना , प्रीती, प्रेमलता, प्रियंका,नीरज, उर्मिला, आकांक्षा पाठक, कांति आदि शिक्षकाएं पहुंचकर पुलिस कर्मियों को बांधी राखी।

सासंद जगदम्बिका पाल ने किया छड़ी मुबारक पर जलाभिषेक

अमरनाथ यात्रा के समापन छड़ी मुबारक श्रीनगर के दसनामी अखाड़ा रखा जाता है

राजेश शर्मा/ दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। सासंद जगदम्बिका पाल ने पांच दिवसीय अध्ययन दौरे पर संसदीय शहरी विकास समिति के सदस्यों के साथ सोमवार को छड़ी मुबारक का पुजा अर्चन कर जलाभिषेक किया। सासंद जगदम्बिका पाल इस समय श्रीनगर में है सासंद जगदम्बिका पाल ने बताया की पांच दिवसीय अध्ययन दौरे पर संसदीय शहरी विकास समिति के सदस्यों ने लीदर नदी के तट पर अमरनाथ यात्रा के समापन छड़ी मुबारक श्रीनगर के दसनामी अखाड़ा के महंत दीपेंद्र गिरी जी महाराज जी के नेतृत्व में पूरे विधि विधान से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ साथ गौरीशंकर मंदिर में दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यात्रा के समापन के बाद छड़ी मुबारक को दसनामी अखाड़ा श्रीनगर में अगले वर्ष के यात्रा प्रारम्भ तक रखा जाता है पुनः अगले वर्ष छड़ी मुबारक की यात्रा गौरी शंकर मंदिर से प्रारम्भ की जाती है हम सब समिति के सदस्यों का परम सौभाग्य कि छड़ी मुबारक का जलाभिषेक कर दिव्य दर्शन कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

विरासत वृक्ष के संरक्षण व संवर्धन का संकल्प लिया गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। शासन द्वारा उत्तर प्रदेश में 100 वर्ष से अधिक की आयु प्राप्त कर चुके 947 वृक्षों को विरासत वृक्ष के रूप में चयन किया जा चुका है जिसकी काफी –टेबल बुक प्रकाशन के क्रम में है। विरासत वृक्षो को संरक्षित करने व आम जन मानस में वृक्षों के प्रति जागरूक कर महत्ता के बारे में व्यापक प्रचार प्रसार के क्रम में प्रत्येक जनपद के विरासत वृक्षों व 30 करोड़ वृक्षारोपण अभियान में रोपित पौधों को संरक्षित करने जनमानस में भावना पैदा करने के उद्देश्य 22 अगस्त से 29 अगस्त तक मा0 सांसदधविध ायकध्अन्य जनप्रतिनिधियों से रक्षा –सूत्र बांधने का कार्यक्रम पूर्ण करने की जिम्मेदारी वन विभाग को दी गयी है। उक्त के क्रम में कुशीनगर में हाटा विकास खण्ड के ढाढा जोगी वीर बाबा स्थान स्थित 170 वर्ष पुराना कर्मा वृक्ष को नगरपालिका अध्यक्ष हाटा मोहन वर्मा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष हाटा उदयभान कुशवाहा व सभासद रणजीत सिंह द्वारा रक्षा–सूत्र बांधकर व लाल चंदन रोपित कर विरासत वृक्ष के संरक्षण व संवर्धन का संकल्प लिया गया। सुकरौली विकास खण्ड अंतर्गत मंझरिया देवी स्थान स्थित साखू के 250 वर्ष पुराने वृक्ष का सुकरौली ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि महेंद्र पासवान द्वारा रक्षा सूत्र बांधकर लाल चंदन रोपित कर विरासत वृक्ष के संरक्षण व संवर्धन का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर हाटा रेंजर राजेश कुशवाहा,वन दरोगा दुर्गा दत्त महेंद्र यादव,वन रक्षक अब्दुल आलम,राम दुलारे सिंह,व रामप्रीत सिंह आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर दी गयी भावभीनि श्रद्धांजलि

कसया, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व राजस्थान हिमांचल प्रदेश के राज्यपाल रहे कल्याण सिंह के निधन पर बीजेपी कार्यालय पर विधायक कुशीनगर रजनीकांत मणि त्रिपाठी के नेतृत्व मे शोक सभा का आयोजन कर श्री सिंह को भावभीनि श्रद्धांजलि दी गयी स श्रद्धांजलि सभा मे सैकड़ो बीजेपी कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे स विधायक रजनीकांत मणि ने शोक संवेदना व्यक्त करतें हुए उदबोधित किया कि बाबू जी सच्चे राम भक्त राष्ट्र भक्त थे स मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज बाबूजी के सपनो को साकार करने का संकल्पित है स अयोध्या आंदोलन मे उपजी समस्याओ का सम्पूर्ण जिम्मेदारी अपने स्वयं लेकर सच्चे राम भक्त और राष्ट्र भक्त होने का सशक्त परिचय देते हुए प्रखर राष्ट्रवाद के आवाज को बुलंद किया स बाबू जी अपने मुख्यमंत्री काल मे भरस्टाचार पर अंकुश लगायी तथा कठोर शासन के तहत बोर्ड परीक्षाओ मे नकल विहीन परीक्षा कराकर अपने शासन से विरोधियो को भी अपना कायल बना दिए थे स ऐसे कर्मठ सुयोग्य महापुरुष को ह्रदय से नमन करतें है और श्रद्धांजलि अर्पित करतें है स इस औसर पर मण्डल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव,महामंत्री विपुल दूबे,भाजपा नेता ओमप्रकाश जयसवाल,महेन्द्र गुप्ता, नंदू वर्मा,सिद्देश्वर शाही,धर्मेंद्र यादव, तहसीलदार सिंह,दिवेंदु मणि त्रिपाठी, बाबू चकमा आदि सैकड़ो बीजेपी कार्यकर्त्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कल्याण सिंह का निधन देश व भाजपा के लिए भारी क्षति :गंगा सिंह

कसया, कुशीनगर । उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान तथा हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह के निधन पर फाजिलनगर नारायनपुर कोठी स्थित क्षेत्रीय भाजपा विधायक गंगा सिंह कुशवाहा के आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए क्षेत्रीय भाजपा विधायक गंगा सिंह कुशवाहा ने कहा कि कल्याण सिंह का निधन संपूर्ण देश व भारतीय जनता पार्टी के लिए आघात है। वे दृढ़ निश्चयी थे। वे जो संकल्प कर लेते थे उसे पूरा करके ही दम लेते थे। किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कुशीनगर विनयप्रकाश गौड़ ने कहा कि कल्याण सिंह पिछड़ों के उत्थान के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। चौरा मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने कहा कि कल्याण सिंह का शासन बेदाग रहा। उन्होंने अपने दामन पर राजनीति में रहते हुए कभी भी दाग नहीं लगने दिया। शिक्षक सुरेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि शिक्षा में सुधार के लिए कल्याण सिंह का कार्यकाल हमेशा याद किया जाएगा उन्होंने नकल अध्यादेश लाकर शिक्षा की तस्वीर को बदल दिया।इस दौरान भाजपा नेता रामवृक्ष गिरी,मंडल महामंत्री रामाधार तिवारी,योगेंद्र कुश्वाहा,रामकृपाल मद्धेशिया,हरिकेश सिंह,रजनीकांत सिंह,रत्नाकर पांडेय,ग्रामप्रधान सुरेश कुश्वाहा,राणा सिंह,पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सत्यम शुक्ल आदि मौजूद रहे।

पूर्व सीएम के निधन पर नम हुई आंखे, लोगों ने दी श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।सोमवार को नगर पंचायत सभागार में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल रहे कल्याण सिंह के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री स्व० कल्याण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।शोकसभा कार्यक्रम में मौजूद नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि सौरभ गुप्ता, अधिशासी अधिकारी अनिल कुमार, रामउजागिर तिवारी, मनोनीत सभासद कृष्ण कुमार अग्रवाल, विशुनदेव तिवारी, शिवशक्ति शर्मा, संजय कसौधन, मनोज तिवारी सहित बोर्ड के सभासद और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने स्व० कल्याण सिंह के जीवन से जुड़े तमाम यादों व कहानियों को साझा किया।अपने संबोधन में भारतीय जनता के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं लोकसभा समन्वयक राममिलन त्रिपाठी ने कहा कि स्व० कल्याण सिंह कार्यकर्ताओं का ध्यान रखते थे और कार्यकर्ताओं के सम्मान में हमेशा डट कर खड़े रहते थे, इसके साथ ही उन्होंने अपने साथ घटी एक घटना को भी साझा किया।इस दौरान सभासद प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सभासद मनोज कुमार गुप्ता, सभासद डॉ राजकुमार, सभासद प्रतिनिधि बाबू जी अंसारी, संजीव कुमार जायसवाल, अमित गुप्ता, रामशंकर चौबे, संजय राजभर, नन्दू गौड़, दीनानाथ अग्रहरि, घनश्याम गुप्ता, केपी गुप्ता, कमलेश गुप्ता, बीडी कसौधन, सूरज निगम, अमित गुप्ता, राजेश त्रिपाठी, अक्षय कसौधन आदि मौजूद रहे।

- **नगर पंचायत सभागार में पूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर हुआ शोक सभा का आयोजन**
- **वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने उनके कार्यो को किया याद**

बाढ़ प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य सुविधा के लिए बने 14 टीमों,51 गांवों में लगे शिविर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिले के बाढ़ प्रभावित गांवों में ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा देने के गरज से 14 टीमों का गठन किया गया है। आवश्यकतानुसार प्रतिदिन टीमें गांवों में पहुंचकर रोगियों की जांच और उपचार करेंगी। टीम में चिकित्सक, फार्मासिस्ट और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को शामिल किया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संदीप चौधरी ने बताया कि जोगिया ब्लाक में दो टीम गठित किया गया। एक में चिकित्सक डॉ. अरुण प्रताप सिंह, फार्मासिस्ट शैलेंद्र कुमार भाष्कर, दो में डॉ. अंकित सिंह, पवन ओझा, एलटी अशोक मिश्रा, उसका बाजार ब्लाक में भी दो टीम गठित है। इनमें चिकित्सक डॉ. बृजेश चंद्रा, फार्मासिस्ट डीपी श्रीवास्तव, डॉ. चंदन श्रीवास्तव, फार्मासिस्ट सीपी चौधरी, नौगढ़ ब्लाक के लिए एक टीम, जिसमें डॉ. अंबिका राय, फार्मासिस्ट पूनम, खुनियांव में डॉ. रजनीश पाठक, फार्मासिस्ट प्रदीप उपाध्याय, इटवा ब्लाक के एक टीम में चिकित्सक डॉ. संजीव कुमार, फार्मासिस्ट रवि चौधरी, दूसरे में डॉ. मेहताब आलम, विजय सिंह, तीसरे में डॉ. नासिर हुसेन, गणेश दुबे, भनवापुर में डॉ. वीके सिंह, वरुण कुमार साहनी, डुमरियागंज में डॉ. विकास चौधरी, घनश्याम, बांसी में डॉ. महेंद्र पटेल, अमित त्रिपाठी, शोहरतगढ़ में डॉ. पंकज, राजेश, बढ़नी में डॉ. आरके प्रसाद, सत्येंद्र चौरसिया शामिल किए गए हैं। सीएमओ ने बताया कि आवश्यकतानुसार टीमें बाढ़ग्रस्त गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों के सेहत की जांच करेंगी और जरूरत पड़ने पर दवाएं उपलब्ध कराएंगी।

पहले दिन 51 गांवों में लगे शिविर

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगाए जाने वाले स्वास्थ्य शिविर के पहले दिन 51 गांवों में टीमें पहुंची। जहां जांच पड़ताल के बाद दवाएं उपलब्ध कराई। जोगिया, उसका बाजार के सात–सात, नौगढ़ के चार, खुनियांव के तीन, इटवा के 12, भनवापुर, डुमरियागंज, बढ़नी में चार–चार, बांसी और शोहरतगढ़ में तीन–तीन गांव शामिल थे।

सम्पादकीय

इसलिये पश्चिम बंगाल सरकार को निशाने पर नहीं लिया जा सकता। निश्चय ही इस विवाद के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। लेकिन राजनीतिक हिंसा में शामिल लोगों को बचाने की किसी भी राज्य सरकार की कोशिश को भी कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, इस ...

जांच की आंच

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद हुई हिंसा में जघन्य अपराधों की बाबत राज्य सरकार की उदासीनता के बाद कलकत्ता हाईकोर्ट के दखल के बाद सच्चाई सामने आने की उम्मीद जगी है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने चुनावी हिंसा के जघन्य मामलों की जांच सीबीआई को सौंपी है तो अन्य हिंसा व आगजनी के मामलों की जांच के लिये राज्य पुलिस को एसआईटी गठन का आदेश दिया है। इस जांच की अंतरिम रिपोर्ट छह सप्ताह के भीतर अदालत को सौंपने के आदेश दिये गये हैं। दरअसल, गत मई में विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद तृणमूल कांग्रेस भारी बहुमत से सत्ता में लौटी। लेकिन दो मई को व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई, जिसमें दूसरे राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को निशाना बनाया गया। इसमें जहां चौदह लोगों की हत्या हुई, वहीं महिलाओं से दुराचार जैसे जघन्य अपराध होने के आरोप लगे। राज्य सरकार का रवैया इस मामले पर पर्दा डालने वाला ही रहा। इसके बाद कलकत्ता हाईकोर्ट ने मामले का संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग यानी एनएचआरसी को मामले की पड़ताल के लिये जांच कमेटी भेजने को कहा था। विडंबना यह रही कि जांच कमेटी पर भी हमले हुए। राज्य पुलिस का रवैया शुरू से ही राजनीतिक दबाव के चलते मामले पर पर्दा डालने वाला ही रहा। अपराधियों को दंडित करने के लिये जो साक्ष्य उपलब्ध थे, उन्हें भी नहीं जुटाया गया। राज्य सरकार के ढुलमुल रवैये के चलते कई बार राज्यपाल जगदीप धनकड़ को सख्त टिप्पणियां करनी पड़ीं। निस्संदेह आरोपों–प्रत्यारोपों के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं, जिसमें भाजपा की हार की हताशा भी शामिल है लेकिन यदि किसी के साथ राजनीतिक दुराग्रह के चलते अन्याय हुआ है तो उसे न्याय दिलाना राज्य सरकार का दायित्व भी है। राजनीतिक रंजिश के चलते दूसरे दल के समर्थकों व कार्यकर्ताओं को निशाना बनाना लोकतंत्र की भावना के खिलाफ ही है। असल बात तो यह है कि इस घटनाक्रम की जांच व कार्रवाई का मामला इतना लंबा नहीं खिंचना चाहिए था। जाहिरा बात है कि अदालत द्वारा मामले की जांच सीबीआई से करवाने के आदेश से राज्य सरकार नाखुश होगी। दरअसल, सीबीआई पर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगता रहा है। तृणमूल कांग्रेस के नेता दलील दे रहे हैं कि कानून–व्यवस्था राज्य सरकार का मामला है, इसमें केंद्रीय एजेंसियों को दखल नहीं देनी चाहिए। बहुत संभव है कि राज्य सरकार इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे। यानी पीडिघ्तों को न्याय मिलने में और विलंब होगा जो कि दुराचार जैसे जघन्य अपराधों से पीडिघ्तों के साथ अन्याय ही होगा। न्यायिक प्रक्रिया से इतर इस मामले में कई गंभीर सवाल भारतीय लोकतंत्र के सामने भी हैं। आखिर आजादी के सात दशक के बाद भी किसी दल की हार–जीत के बाद हिंसा क्यों होती है। हिंसा को कौन बढ़ावा देता है? सरकारें उस पर पर्दा डालने की कोशिश क्यों करती हैं? पश्चिम बंगाल में निकाय चुनावों से लेकर आम चुनावों तक इतनी राजनीतिक हिंसा क्यों होती है? इसमें राजनीतिक दलों की क्या भूमिका होती है। निस्संदेह हिंसा का मतलब लोकतांत्रिक मूल्यों व परंपराओं को नकारना ही है। इसके अलावा कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा सीबीआई जांच के आदेश के बाद जिस तरह की प्रतिक्रिया राजनीतिक दलों द्वारा दिखायी जा रही है, वह भी अनुचित ही है। अभी जांच के आदेश ही हुए हैं, जांच के परिणाम नहीं आये हैं।

रोशन ख्याल लोगों के जानी दुश्मन

सहीराम

भागो, दौड़ो, छोड़ो, बचो! तालिबान आया है! जी, कोई प्रलय, कोई जलजला नहीं आया है, न कोई जहरीली गैस फैली है, न कोई महामारी आयी है। न किसी दूसरे देश या किसी दूसरे ग्रह वालों का हमला हुआ है, जैसा कि साइंस फिक्शनों में या अमेरिकी फिल्मों में होता है। फिर भी अफगानिस्तान में भगदड़ मची है। लोग जान बचाने के लिए एयरपोर्ट की तरफ भाग रहे हैं। हवाई जहाजों से लटक रहे हैं, विमानों के पहियों से कुचल कर मर रहे हैं, ऊपर आसमान में पहुंच कर विमानों से टपक रहे हैं। वे आसमान से गिर रहे हैं, लेकिन खजूर में नहीं अटक रहे हैं। जब हमारे देश का बंटवारा हुआ था तो बताते हैं कि लोग ऐसे ही भागे थे। जब दंगा होता है तो लोग शहर छोड़कर ऐसे ही भागते हैं। जब कोरोना आया था तो हमारे यहां प्रवासी मजदूर ऐसे ही शहर छोड़–छोड़कर भागे थे और कोई रेल की पटरियों पर मरा था तो कोई सड़क किनारे। अब विमान कोई ब्लू लाइन बस तो होता नहीं कि लटककर अपनी मंजिल पहुंच जाओ। अब तो लोग शहरों से गांवों की तरफ जाने वाले टैंपुओं में भी ऐसे नहीं लटकते। यह विमान कोई रेल गाड़ी नहीं है कि संकट के समय छतों पर चढ़ जाओ। फिर भी बेचारे अफगानी अपनी जान बचाने के लिए विमानों से लटक रहे हैं और जान गंवा रहे हैं। वे अपने राष्ट्रपति अशरफ गनी जैसे भाग्यशाली नहीं हैं कि हेलीकॉप्टर में नकदी भर कर भाग जाएं। साइंस फिक्शनों में तो अमेरिका वाले जान पर खेलकर दुनिया को बचा लेते हैं। लेकिन वे तालिबानों से अफगानिस्तान को नहीं बचा पाए। हालांकि, बीस साल पहले वे उन्हें बचाने के लिए ही अफगानिस्तान आए थे। वैसे ही जैसे वे दूसरे देशों में लोकतंत्र को बचाने पहुंचते हैं। लेकिन वहां से तो वे कुछ न कुछ लेकर जाते हैं–कहीं से तेल और कहीं से खनिज। पर यहां से वे तोहमत लेकर गए हैं। बेइज्जत होकर गए हैं। लेकिन वैसे नहीं जैसे शायर यार के कूचे से बेआबरू होकर निकला था। लोग उसके इस तरह पीठ दिखाकर भागने की तुलना वियतनाम से उसके भागने से कर रहे हैं। लेकिन यह तुलना कैसे हो सकती है। वियतनाम से तो उन्हें क्रांतिकारियों ने पीट–पीटकर भगाया था। लेकिन यहां से तो वे तालिबानों से गलबहियां करके गए हैं। वियतनाम से उनके भागने पर दुनिया वालों ने जश्न मनाया था। यहां से उनके भागने पर दुनिया वाले उन्हें कोस रहे हैं। लेकिन बेचारे अफगानी तो उन्हें कोस भी नहीं सकते। जान बची तो कोसेंगे। लेकिन जान बचेगी कैसे–तालिबानों के पास बंदूकें हैं, एके सैंतालिस, छप्पन, कलाश्निकोव, राकेट लांचर हैं। यह किसी बाहरी दुश्मन के लिए नहीं हैं, अपनों के लिए हैं। बराबरी चाहने वाली महिलाओं के लिए, खेलने–कूदने वाले और पढने की इच्छा रखने वाले बच्चों के लिए हैं, रोशन ख्याल लोगों के लिए हैं। उनके दुश्मन तो वहीं हैं।

भगोड़े अफगानी नेतृत्व की लावारिस सेना

सैन्य प्रशिक्षुओं की भांति भारत में स्कॉलरशिप के आधार पर पढ़ रहे छात्रों के समक्ष भी गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। छात्रों के अलावा विभिन्न अन्य क्षेत्रों में आपसी सहयोग के अन्तर्गत कार्यरत या प्रशिक्षणरत अफगानी विशेषज्ञों का भविष्य भी अधर में लटका हुआ है। फिर भी फिलवक्त वहां तालिबान ही तालिबान है, इसलिये भारत की विदेश नीति और कूटनीति दोनों के लिये परीक्षा की घड़ी है...

जयसिंह रावत

अफगानिस्तान पर तालिबान के बलात कब्जे और वहां की लावारिस सरकारी सेना के ध्वस्त हो जाने के बाद भारत में सैन्य प्रशिक्षण पा रहे डेढ़ सौ से अधिक अफगान अधिकारियों और जवानों का भविष्य अधर में लटक गया है। इनमें से सर्वाधिक युवा देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी से प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस अकादमी से हर छह महीने में लगभग 40 अफगानी युवा अधिकारी पास आउट होकर अपनी सेना का नेतृत्व करते हैं। अमेरिका के साथ ही भारत भी एक सशक्त और आत्मनिर्भर अफगानी सेना को तैयार करने में जुटा था। लेकिन जब राजनीतिक नेतृत्व ही भगोड़ा हो जाये तो फिर मजबूत से मजबूत सेना भी लावारिस हो जाती है।

अफगानिस्तान के अलावा भारत दशकों से भूटान, श्रीलंका, तजाकिस्तान, मालदीव, नेपाल एवं वियतनाम आदि 18 मित्र देशों की सेनाओं के युवा अधिकारियों को प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराता है। बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग के अलावा भारत अफगानिस्तान के सैन्य अधिकारियों को समय–समय पर विभिन्न स्थानों पर विशिष्ट सैन्य प्रशिक्षण भी कराता है ताकि उनका प्रोफेशनल स्तर ऊंचा उठ सके। अफगानिस्तान समेत विभिन्न मित्र देशों के लिये सबसे बड़ी सैन्य प्रशिक्षण सुविधा देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में उपलब्ध है। यहां एनडीए से आने वाले कैडेटों के लिए एक साल और सीधे प्रवेश करने वालों के लिये 18 महीने का कठोर प्रशिक्षण दिया जाता है। यद्यपि आईएमए की सभी पासिंग आउट या दीक्षान्त परेडों का रिकार्ड फिलहाल उपलब्ध नहीं हो सका, फिर भी अकादमी द्वारा जारी पिछली कुछ परेडों की विज्ञप्तियों के अनुसार दिसम्बर 2014 की शीतकालीन परेड में अफगानिस्तान के 44 जैंटलमैन कैडेट अकादमी से प्रशिक्षित होकर पास आउट हुए। इसी प्रकार जून 2015 की ग्रीष्मकालीन परेड में भी 44, दिसम्बर, 2018 में 49, दिसम्बर 2020 में 41 और जून 2021 की दीक्षान्त परेड में 43 युवा अफगानी अधिकारी अकादमी से पास आउट हुए। आईएमए के अलावा भारत की इलीट सैन्य प्रशिक्षण अकादमी एनडीए खड़कवासला से भी अफगानी युवा सैन्य प्रशिक्षण के साथ ही ग्रेजुएशन प्राप्त करते हैं।

भारत में सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे इन युवा सैन्य अधिकारियों का भविष्य तो अधर में लटक ही गया, लेकिन अफगानिस्तान में जान बचाने के लिये मची भगदड़ ने उनके परिवारों की खैरियत को लेकर उनकी बेचौनी बढ़ा दी है। उनकी चिन्ता का सबसे बड़ा कारण तालिबान का अफगानिस्तान की सरकारी सेना के प्रति नफरत और उनका क्रूरतम व्यवहार है। अब इनका भविष्य भारत सरकार के अगले कदम पर निर्भर है। अगर उनका प्रशिक्षण जारी रखा जाता है तो प्रशिक्षण पूरा होने पर भी उनका भविष्य अधर में है।

भारत ने अफगानिस्तान की सेना को सशक्त बनाने के लिये 4 एमआई–25 सशस्त्र हेलीकाप्टर एवं 3 चीता हेलीकाप्टर सहित काफी आधुनिक सैन्य साजो सामान दे रखा है। भारत अफगानिस्तान के सशस्त्र बलों को आतंकवाद विरोधी प्रशिक्षण भी देता रहा है। अफगानी युवा अधिकारियों को इन्फेंट्री स्कूल में यंग आफिसर्स कोर्स और मिजोरम के वैरेंग्टे स्थित संस्थान में जंगल वारफेयर और आतंकवाद विरोधी प्रशिक्षण भी देता रहा है। ऐसे विशिष्ट संस्थानों में प्रति वर्ष लगभग 700 से लेकर 800 तक अफगानी सैन्यकर्मी प्रशिक्षण पाते रहे हैं। यह भी सवाल है कि क्या हमारी मेहनत और मदद अकारथ गयी? पिछले महीने अफगानिस्तान के सेना प्रमुख जनरल वली मोहम्मद अहमदजई का भारत के साथ और अधिक सैन्य सहयोग बढ़ाने के इरादे से भारत आने का कार्यक्रम था, लेकिन तालिबानियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए उन्हें अपना दौरा स्थगित करना पड़ा।

भारत के साथ ही अमेरिका ने भी अफगानी सेना को मजबूत, आत्मनिर्भर और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिये तैयार करने पर अरबों डालर खर्च किए हैं। न्यूयार्क टाइम्स में 13 अगस्त को छपी थॉमस जिब्बन, फहीम अबेद और शैरिफ हसन की साझा रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने पिछले दो दशकों में अफगानिस्तान की सुरक्षा के लिये हथियारों, अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षण पर 83 अरब डॉलर से अधिक राशि खर्च कर डाली। लेकिन वहां के राजनीतिक नेतृत्व की कमजोरी के कारण अफगानी सैनिकों ने तालिबानियों के आगे हथियार डाल दिये, जिस कारण अरबों डालर मूल्य के अत्याधुनिक हथियार भी तालिबान के हाथ लग गये। वहां लगभग 3 लाख की सरकारी सेना लड़ती भी तो किसके लिये? सैन्य प्रशिक्षुओं की भांति भारत में स्कॉलरशिप के आधार पर पढ़ रहे छात्रों के समक्ष भी गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। छात्रों के अलावा विभिन्न अन्य क्षेत्रों में आपसी सहयोग के अन्तर्गत कार्यरत या प्रशिक्षणरत अफगानी विशेषज्ञों का भविष्य भी अधर में लटका हुआ है। फिर भी फिलवक्त वहां तालिबान ही तालिबान है, इसलिये भारत की विदेश नीति और कूटनीति दोनों के लिये परीक्षा की घड़ी है।

तब देश बंटा था। अब समाज बांटने की कोशिशें हो रही हैं। चुनौती हिंदू या मुसलमान या सिख या ईसाई को जीवित रखने की नहीं, मनुष्यता को जीवित रखने की है। मानवीय समाज का तकाजा है कि हम धर्म के नाम पर अपने स्वार्थ साधने वालों के हाथ की कठपुतली न बनें। इसके लिए जरूरी है हम सतत जागरूक रहें। अच्छी लगती है यह बात कि हम विभाजन की विभीषिका को याद रखें, पर ...

मनुष्यता को जीवित रखने की चुनौती

विश्वनाथ सचदेव

देश की आजादी के अमृत महोत्सव की शुरुआत हो गई है। 75 साल पहले हमने आजादी पाई थी। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने नियति से साक्षात्कार की याद दिला कर एक नये भारत के सपने को साकार करने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में बढने की घोषणा की थी। तब से हर साल 15 अगस्त को हम इस संकल्प को दोहराते हैं, उन शहीदों को याद करते हैं, जिन्होंने इसलिए अपने जीवन का बलिदान कर दिया ताकि भावी पीढ़ी यानी हम आजाद हवा में सांस ले सकें। इन शहीदों में वे भी शामिल हैं जो आजादी के साथ मिली विभाजन की विभीषिका के शिकार हुए। लाखों देशवासियों के बलिदान से मिली है हमें यह आजादी। वह हमारा इतिहास है, उनके बलिदान को याद करके ही हम एक नया इतिहास रचने की दिशा में कुछ सार्थक कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस स्मृति को एक नये नारे से जोड़ दिया है––उन्होंने घोषणा की है कि अब हर 14 अगस्त को यानी आजादी मिलने से 1 दिन पहले देश विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया करेगा। उन्होंने कहा है कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं मजबूत होंगी। उन्हें यह भी विश्वास है कि हर 14 अगस्त को इस आयोजन से सामाजिक विभाजन और वैमनस्य के जहर को दूर करने में भी मदद मिलेगी। आमीन।

लेकिन सवाल उठता है, क्या स्मृति दिवस मनाने से ही उद्देश्य पूर्ति हो जाएगी? उद्देश्य यह है कि 75 साल पहले जो हुआ था, वह फिर कभी न दोहराया जाए। देश के विभाजन के साथ जुड़ी हिंसा ने हमारे भीतर की अमानुषिकता को ही उजागर किया था। धर्म के नाम पर लगाई गई सांप्रदायिकता की आग में मानवीय संवेदनाओं की होली जली थी। पशुता की अभिव्यक्ति थी वह। न उसे भुलाया जाना चाहिए और न ही उसे क्षमा किया जाना चाहिए। तब जो कुछ हुआ था वह मनुष्यता को झुठलाने की कोशिश थी। अपराधी वे सब थे, जिन्होंने धर्म के नाम पर हिंसा की। अपराधी वह सोच थी, जिसने हमारे समाज को हिंदू और मुसलमान में बांट दिया। देश का बंटवारा तो समझ में आता है। उसके राजनीतिक कारण हो सकते हैं, नेतृत्व की कुत्सित महत्वाकांक्षा भी हो सकती है। लेकिन आदमी और आदमी के बीच धर्म के नाम पर उठाई गई दीवारों का तर्क समझ से परे है। धर्म के नाम पर हुई हिंसा न तब क्षम्य थी, और न ही आज उसे किसी भी दृष्टि से सही ठहराया जा सकता है। सांप्रदायिक हिंसा फैलाने वाले तब भी अपराधी थे, आज भी अपराधी हैं।

इसलिए, जब आज विभाजन की विभीषिका को याद रखने के लिए आह्वान किया जा रहा है तो यह याद रखना भी जरूरी है कि 75 साल पहले जिन विचारों ने सांप्रदायिकता की आग लगाई थी, आज भी उन विचारों को आधार बनाकर मनुष्य को बांटने की कोशिश न हो। इसलिए आज उस विभीषिका को नहीं, उन कुत्सित विचारों को याद करके उनसे मुक्ति पाने की आवश्यकता है, जिन्होंने तब आदमी को वहशी बना दिया था। और आज भी हमारे भीतर की अमानुषिकता को उकसाते रहते हैं।

उस 14 अगस्त को हमारा वहशीपना ही सामने नहीं आया था, वह आशा की किरण भी दिखाई दी थी, जिसकी रोशनी में मनुष्यता फलनी थी। यह काम तब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने किया था। उस दिन जब देश आधी रात को तिरंगा फहराने की तैयारी कर रहा था, गांधीजी राजधानी दिल्ली के उत्सवी माहौल से दूर कोलकाता में सांप्रदायिकता की आग बुझाने में लगे हुए थे।

जब नेहरू, नियति से साक्षात्कार का आह्वान कर रहे थे तो गांधी देश की जनता को कांटों के ताज की याद दिला रहे थे। 24 घंटे का उपवास किया था तब उन्होंने। यह प्रायश्चित था उन सबके किये का जो सांप्रदायिकता की आग लगाने में लगे थे। उनका संदेश था, श्आज से आपको कांटों का ताज पहनना है। सत्य और अहिंसा को बढ़ावा देने में लग जाना है। विनम्र बनो। सहिष्णु बनो। अब रोज आपकी परीक्षा होगी। सत्ता से सावधान रहो। सत्ता भटकाती है। सत्ता की शान–शौकत के जाल में मत फंसना। भारत के गरीबों की सेवा में जुट जाओ।श्य यह संदेश उनके लिए था जो नये भारत की सत्ता संभालने वाले थे। देशवासियों के लिए राष्ट्रपिता का संदेश थाकृ श्सच्चा धर्म बांटता नहीं, जोड़ता है।श्य तब कोलकाता ने गांधी के इस संदेश का मतलब समझा था। सांप्रदायिक हिंसा की आग बुझने लगी थी।

क्या वह आग बुझ गई?

इस सवाल का जवाब हमें अपने आप से पूछना है। क्या हमें याद भी है कि विभाजन की विभीषिका का कारण यही आग थी? विभीषिका को याद करने या याद रखने का कोई अर्थ नहीं रह जाता यदि हम उसके कारण को नहीं समझते। समझना यह जरूरी है कि 75 साल पहले हिंदू और मुसलमान एक–दूसरे के दुश्मन क्यों बन गए थे और याद रखना यह जरूरी है कि निरपराध लोगों के शवों को ले जाने वाली रेलगाड़ी लाहौर से अमृतसर ही नहीं आई थी, अमृतसर से लाहौर भी गई थी। वैसा कभी कुछ फिर ना हो, यह याद रखना है हमें। लेकिन हम कर क्या रहे हैं? क्या यह हमारी आज की एक शर्मनाक सच्चाई नहीं है कि देश में जब–तब सांप्रदायिकता की आग भड़क उठती है? राजनीतिक स्वार्थों के चलते हम मनुष्यता को भुला बैठते हैं?

कौन जिम्मेदार है इस सबके लिए? वह कौन से तत्व हैं जो जंतर–मंतर पर सांप्रदायिक नारे लगाने का दुस्साहस करते हैं? क्यों उन्हें लगता है कि इस अपराध की कोई सजा नहीं मिलेगी? क्यों ऐसे तत्वों को लगता है कि ऐसा करना जरूरी है? इन और ऐसे सारे सवालों का जवाब वक्त हम भारत के लोगों से मांग रहा है। विभाजन की विभीषिका का स्मृति दिवस मनाने की नहीं, यह याद रखने की आवश्यकता है कि यह दायित्व हम पर है कि फिर कभी धर्म के नाम पर कोई हमें बरगला न सके। दुर्भाग्य से, हम यह याद रखना नहीं चाहते, जाने–अनजाने हम उन बरगलाने वालों के षड्यंत्र का शिकार बन जाते हैं। तब देश बंटा था। अब समाज बांटने की कोशिशें हो रही हैं। चुनौती हिंदू या मुसलमान या सिख या ईसाई को जीवित रखने की नहीं, मनुष्यता को जीवित रखने की है। मानवीय समाज का तकाजा है कि हम धर्म के नाम पर अपने स्वार्थ साधने वालों के हाथ की कठपुतली न बनें। इसके लिए जरूरी है हम सतत जागरूक रहें। अच्छी लगती है यह बात कि हम विभाजन की विभीषिका को याद रखें, पर उन कुत्सित विचारों को भी याद रखना होगा जो ऐसी विभीषिका का कारण बनते हैं। जरूरत सदविचारों की है, नारों की नहीं।

जिले की 19 पीएचसी को मिला कायाकल्प अवार्ड

देवरिया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश द्वारा कराए गए कायाकल्प अवार्ड का शनिवार की रात परिणाम घोषित कर दिया गया, जिसमें जिले की 19 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मानक पर खरे उतरे हैं। मझौलीराज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को जिले में प्रथम पुरस्कार मिला है। इसलिए इस पीएचसी को दो लाख रुपये का नगद पुरस्कार मिलेगा। जबकि अन्य 18 पीएचसी को 50–50 हजार रुपये मिलेंगे। मुख्य चिकित्साधिकारी डा.आलोक पांडेय ने कहा कि गोरखपुर मंडल के 35 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इस अवार्ड के लिए नामित किए गए हैं, जिसमें से देवरिया के 19 शामिल हैं। इसमें मझौलीराज, बनकटा, भाटपाररानी, रामपुर कारखाना, महेन, पथरदेवा, भागलपुर, बघौचघाट, बेलही, भिगारी बाजार, शहबाजपुर, ठेंगवल दुबे, खुखुंदू, पिडी, सजांव, खैरटिया, कंचनपुर, ककरौली, महुआडीह शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश से नामित टीम ने इन अस्पतालों का निरीक्षण किया था और हर तरफ से जांच की थी। जांच के बाद यह पुरस्कार मिला है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि दो अगस्त को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का भी परिणाम आया है, जिसमें लार, सलेमपुर, गौरीबाजार व बरहज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विजेता घोषित किए गए थे।

चौकी इंचार्ज से उलझने वाला दीवान गया जेल

देवरिया। शहर के परशुराम चौक पर शनिवार की शाम भुजौली कालोनी चौकी के प्रभारी से उलझने वाला बस्ती पुलिस लाइन में कार्यरत दीवान भीम सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर शांतिभंग में चालान कर दिया। एसडीएम ने जमानत अर्जी खारिज कर दी। जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया। भुजौली कालोनी चौकी के प्रभारी बृजेश दुबे परशुराम चौक पर वाहन चेकिग कर रहे थे। इसी दौरान बस्ती तैनात दीवान चौकी इंचार्ज से उलझ गया। अपशब्द कहते हुए मारपीट पर उतारू हो गया। चौकी इंचार्ज ने इसकी सूचना कोतवाली को दी। उसके बाद पुलिस उसे पकड़ कर ले गई। कोतवाली में भी वह अपशब्द बोलता रहा। पुलिस ने दीवान का मेडिकल परीक्षण कराया। जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई। सीओ श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि शहर के भुजौली कालोनी में वह परिवार के साथ रहता है। एसडीएम ने जमानत अर्जी खारिज कर दी है। जिसके चलते उसे जेल जाना पड़ा। प्रभारी कोतवाल विपिन मलिक ने बताया कि इस समय दीवान निलंबित चल रहा है।

चोरी की बाइक के साथ एक गिरफ्तार, जेल भेजा

भाटपाररानी। खामपार पुलिस को शनिवार की रात्रि बड़ी सफलता हाथ लगी। थाना क्षेत्र के पड़री बाजार से चोरी की बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। शनिवार की रात्रि पड़री बाजार में पुलिस वाहन चेकिग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दिया की बंगरा बाजार की ओर से एक युवक चोरी की बाइक के साथ बिहार के तरफ जाने वाला है। इसके बाद पुलिस टीम सक्रिय हो गई। कुछ देर बाद एक युवक बाइक लेकर पहुंच गया। पुलिस उसे रोकने का प्रयास की लेकिन वह भागने लगा। पुलिस ने दौड़ा कर पकड़ लिया। पुलिस ने बाइक कागजात मांगने पर कोई कागजात नही दिखा सका। युवक से जब पुलिस ने शक्ति की तो वह बाइक चोरी की होने की बात स्वीकार की। पूछताछ के दौरान अभियुक्त की पहचान बिहार प्रान्त के गोपालगंज जनपद भोरे थाना क्षेत्र के लकठहा गांव निवासी राहुल कुमार राम पुत्र दिनेश राम के रूप में हुई। थानाध्यक्ष घनश्याम सिंह ने बताया कि चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर सुरक्षा का लिया वचन

देवरिया । इस बार रक्षाबंधन के त्योहार पर कोरोना ने मेहरबानी दिखाई है। बाजारों में चहल–पहल रही तो पूरे दिन राखी बांधने के लिए भाइयों का बहनों के घर तो बहनों का भाइयों के घर आना–जाना हुआ। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर रक्षा का वचन मांगा। भाइयों ने सुरक्षा का वचन देने के साथ तोहफा व नगद रुपये उपहार स्वरूप दिए। कोरोना संक्रमण की वजह से पिछले वर्ष सादगी से यह त्योहार मनाया गया था। इस साल जनपद में कई दिनों से कोरोना संक्रमित मरीजों के नहीं मिलने से शासन–प्रशासन ने राहत की सांस ली है। शासन ने रविवार को भी कोरोना कर्फ्यू खत्म कर दी है। जिसके चलते सुबह से ही मिठाई व राखी की दुकानें खुल गईं। लोगों ने खरीदारी की। घरों में बहनों ने सुबह से ही तैयारियां शुरू कर दी। बहनों ने भाइयों को टीका कर आरती उतारी और दाहिने हाथ की कलाई में राखी बांधी व मुंह मीठा कराया। बहनों ने भाइयों से जीवनभर रक्षा का वचन भी लिया। भाइयों ने बहन को खुश करने के लिए तोहफा के अलावा कपड़े व नगदी आदि उपहार भी दिए। त्योहार को लेकर छोटे बच्चे उत्साहित दिखे।

गुमनाम चिट्ठी खोल रही विद्यालयों में हुए फर्जीवाड़े का राज

देवरिया । जिले के अनुदानित विद्यालयों में फर्जीवाड़े की जांच कर रही एसआइटी को हर दिन कुछ नया मिल रहा है। शिक्षा विभाग में हो रहे खेल को उजागर करने के लिए एसआइटी को एक माह में 32 गुमनाम चिट्ठियां सबूत के साथ मिली है, जिसके बाद एसआइटी उन चिट्ठियों को भी आधार बनाकर जांच कर रही है। जल्द ही एसआइटी कुछ और भी विद्यालयों में हुए खेल का पर्दाफाश करेगी। अनुदानित विद्यालयों में हुए फर्जीवाड़े की जांच तेज हो गई है। दो विद्यालयों में फर्जी अनुमोदन पर हुई नियुक्ति के प्रकरण की जांच कर रही एसआइटी को इन दिनों हर दिन गुमनाम चिट्ठी मिल रही है, गुमनाम चिट्ठी में सालों से जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय में तैनात बाबुओं की हर गतिविधि का जिक्र किया गया है। यह भी दावा किया गया हैं कि किस विद्यालय में क्या गड़बड़ी हैं और कौन–कौन फर्जी है। इस गुमनाम चिट्ठी से सबसे अधिक मुश्किल यहां पहले तैनात रहे कुछ अधिकारी व बाबुओं की बढ़ने जा रही है। एसआइटी के सूत्रों का कहना हैं कि लगभग 13 लोग अब आरोपित बनाने की तैयारी में है। इसके लिए एडीजी से अनुमति भी एसआइटी ने मांगी है। फरार आरोपितों के खिलाफ वारंट कराने की तैयारी: वित्त एवं लेखाधिकारी समेत कुल 19 लोग आरोपित बनाए गए हैं, जिसमें से पांच आरोपित पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं। पांचों आरोपितों की जमानत खारिज हो चुकी है, जबकि फरार आरोपितों के खिलाफ वारंट के लिए एसआइटी ने भ्रष्टाचार निवारण कोर्ट में आवेदन किया है। 23 अगस्त को इस मामले में न्यायालय में तारीख है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नीरज पहुंचीं गांव, हुआ स्वागत

देवरिया। समाज में कोरोना काल में बेहतर काम करने वाली तरकुलवा विकास खंड के आंगनबाड़ी केंद्र हरपुर की कार्यकर्ता नीरज पांडेय शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के हाथों मिशन शक्ति पुरस्कार से सम्मानित हुईं। सम्मानित होने के बाद देररात वह जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध विशेष वाहन व सुरक्षा के बीच लखनऊ से गांव पहुंची, जहां गांव के लोगों ने उनका फूल–मालाओं से लाद कर स्वागत किया। पुरस्कार पाकर लौटी नीरज अब और बेहतर तरीके से समाज की सेवा करने तथा लोगों को जागरूक करने का दावा कर रही हैं। एमए तक की शिक्षा ग्रहण करने वाली नीरज पांडेय 2004 की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। कोरोना काल में समाज में बेहतर कार्य करने के लिए प्रदेश से चार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मिशन शक्ति पुरस्कार के लिए चयनित की गई थी, जिसमें नीरज पांडेय का भी नाम शामिल था। लखनऊ में शनिवार को भव्य कार्यक्रम के बीच मुख्यमंत्री व राज्यपाल के हाथों उन्हें सम्मानित किया गया। सम्मानित होने के बाद वह गांव पहुंची। उनका कहना है कि समाज में अच्छा काम करने के लिए उन्हें यह पुरस्कार मिला है। आगे भी वह समाज में और बढ़चढ़ कर कार्य करेंगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी कृष्णकांत राय ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के बेहतर कार्य से जिले का मान बढ़ा है। इससे अन्य कार्यकर्ताओं में भी समाज में बेहतर काम करने का भाव बढ़ेगा। यह पुरस्कार मील का पत्थर साबित होगा।

वृक्षबंधन कर स्वयंसेवकों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

पड़री बाजार, देवरिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में प्रकृति वंदन कार्यक्रम के तहत रविवार को स्वयंसेवकों ने पुराने पौधों को रक्षासूत्र बांध कर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। रक्षाबंधन के दिन आरएसएस के केन्द्रीय नेतृत्व के आह्वान पर जिले के पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर पुराने देव वृक्षों को रक्षासूत्र से बंधन कर स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। भटनी खंड के सिसवा गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने पर्यावरण सुरक्षा हेतु देव वृक्ष पीपल का रक्षासूत्र से बंधन कर उसके सुरक्षा के संकल्प के साथ उसके सुरक्षा करने का निश्चय किया। साथ ही पुराने वृक्षों को बचाने तथा नये वृक्ष लगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया। इस दौरान झारखंडी शुक्ल, अशोक शर्मा, इंदु प्रकाश शुक्ल, भाष्कर शुक्ल व रवि कुशवाहा मौजूद रहे। सलेमपुर खंड के रायपुरवां स्थित मनोकामना पूर्ण हनुमान मंदिर परिसर में धार्मिक संस्थान सह प्रमुख कन्हैया दास महराज के नेतृत्व में लोगों ने वृक्षबंधन कर लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। भटनी नगर में शिक्षण संस्थान प्रमुख नागेश मणि के नेतृत्व में वृक्ष बंधन का कार्यक्रम हुआ। सलेमपुर नगर में खंड के पर्यावरण प्रमुख प्रशांत पाण्डेय व स्वयं सेवकों ने वृक्ष बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया। जिला पर्यावरण प्रमुख डा. ए. पांडेय ने कहा कि श्रावणी पर्व पर किए जाने वाले रक्षा विधान में वैदिक एवं पौराणिक मंत्रों से अभिमंत्रित किया जाने वाला कलावा मात्र तीन धागों का समूह ही नहीं है अपितु इस में आत्म रक्षा, धर्म रक्षा और राष्ट्र रक्षा के तीनों सूत्र संकल्पबद्ध होते हैं।

पंचायत सहायक के लिए चक्कर लगा रहे एमए व बीएड बेरोजगार

देवरिया। उत्तर प्रदेश पंचायती राज विभाग ने ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक व अकाउंटेंट कम डाटा इंट्री आपरेटर के पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। इन पदों के लिए योग्यता 10वीं व 12वीं पास है, लेकिन एमए व बीएड पास बेरोजगार भी आवेदन कर चक्कर लगा रहे हैं। सबसे अधिक आवेदन महिलाओं के आए हैं। डीपीआरओ कार्यालय में 1203 लोगों ने आवेदन किया है। इसके अलावा प्रत्येक गांवों के प्रधानों के पास व ब्लाक मुख्यालय पर प्रत्येक गांव के लिए दस से पंद्रह लोगों के आवेदन आए हैं। मेरिट के आधार पर होगी इनकी नियुक्ति: जिले में 1185 ग्राम पंचायतें हैं। हर ग्राम पंचायत में पंचायत सहायक की नियुक्ति होनी है। 17 अगस्त तक इनके आवेदन मांगे थे, मेरिट के आधार पर इनकी नियुक्ति होनी है। नियुक्त होने वाले पंचायत सहायक को छह हजार रुपये मिलेंगे। ग्राम प्रधान भी इस भर्ती को लेकर पेसोपेश में हैं। –

यह है पंचायत सहायक का कामः पंचायत सहायक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। वह गांव के विकास में सहायक होगा। ग्रामीणों की समस्याओं को सुनेगा। साथ ही मनरेगा में कार्य कर रहे व्यक्तियों का लेखा–जोखा रखने के साथ ही उनका कार्य भी देखेगा। पंचायत सहायक को पंचायत भवन में कंप्यूटर यानी कंप्यूटर आपरेटर का भी काम निपटाना होगा। ––– विधायक व सांसद तक लगा रहे दौड़

पंचायत सहायक की भर्ती के लिए आवेदन किए बेरोजगार सांसद व विधायक तक भी दौड़ लगाने लगे हैं। हर दिन जनप्रतिनिधियों तक इस तरह के मामले में 10 से 15 की संख्या में पहुंच रहे हैं। मेरिट के आधार पर होने वाले इस भर्ती में किसी की न चलने का भी जनप्रतिनिधि भले ही उन्हें सलाह दे रहे हैं, लेकिन बेरोजगार मानने को तैयार नहीं हैं।

24 अगस्त से बनेगी मेरिट: ग्राम पंचायत सहायक की नियुक्ति के लिए डीपीआरओ कार्यालय में सीधे 1203 लोगों ने अपना फार्म जमा किया है। जबकि हर ब्लाक व ग्राम पंचायत स्तर पर भी फार्म जमा किये गए हैं। सभी फार्म अब ब्लाक स्तर पर एकत्रित किये जा रहे हैं। डीपीआरओ कार्यालय में जमा फार्म भी ब्लाक मुख्यालय पर भेजा जाएगा। वही से ग्राम पंचायत स्तर पर मेरिट तैयार की जाएगी। 24 अगस्त से मेरिट तैयार करने की तैयारी है।

मंदिरों में लोगों ने किए दर्शन

सावन में वैसे ही शिव मंदिरों में भीड़ उमड़ रही है। रविवार को रक्षाबंधन के दिन लोगों ने मंदिरों में जाकर पूजन अर्चन की। जनपद में शिव मंदिरों के अलावा शहर में सोमनाथ मंदिर, हनुमान मंदिर, दुर्गा मंदिर, देवरही मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर, अहिल्यापुर दुर्गा मंदिर, बारीपुर हनुमान मंदिर, बरहज के बाबा नीलकंठ मंदिर जगहों पर भीड़ देखी गई।

जेल में बंद भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

देवरिया । कोरोना संक्रमण को देखते हुए जिला जेल प्रशासन ने रक्षाबंधन त्योहार के दिन पूरी सतर्कता बरती। आरटीपीसीआर रिपोर्ट देखने के बाद ही बहनों को जिला कारागार के भीतर जाने दिया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान कई कैदियों की आंखें भर आईं। जेलर राजकुमार वर्मा ने बताया कि सौ से अधिक महिलाएं राखी बांधने आईं थीं।

तिरुपति बालाजी मंदिर में आयोजित हुआ रक्षाबंधन उत्सव

देवरिया। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर कसया रोड स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर में रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन किया गया इस दौरान पीठाधीश्वर स्वामी राज नारायण आचार्य ने श्रद्धालुओं को रक्षा सूत्र बांधकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इससे पहले भगवान को रक्षा सूत्र बांधकर सबकी बेहतरी की कामना की। मंदिर में भगवान की आकर्षक झांकी सजाई गई थी।

थानाध्यक्ष ने बंधवाई राखी,दिया रक्षा का वचन

पथरदेवा,देवरिया। कुर्मी पट्टी स्थित इंटर कालेज की महिला फुटबाल टीम की खिलाड़ियों ने बघौचघाट थाने में थानाध्यक्ष से लेकर कांस्टेबल तक को राखी बांधकर मिशन शक्ति का अहसास कराया। इस अवसर पर थानाध्यक्ष नरेंद्र राय, सब इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी, संतोष यादव आदि मौजूद रहे।

बारिश से लड़खड़ाई बिजली आपूर्ति

देवरिया । बारिश से जिले में कई जगहों पर बिजली व्यवस्था लड़खड़ा गई है। लोकल फाल्ट से जिले के 109 गांवों की बिजली आपूर्ति पूरे दिन ठप रही। उपभोक्ता परेशान रहे और मोबाइल समेत अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण बंद पड़े रहे। भोर में हुई बारिश के चलते शहर के रामलीला मैदान, खुखुंदू, सलेमपुर विद्युत उपकेंद्र में पानी भर गया। इससे घंटों बिजली आपूर्ति ठप रही। रामलीला मैदान उपकेंद्र में दूसरे दिन भी मोटर लगाकर पानी निकालने का काम चलता रहा। अगर अब बारिश हुई तो उपकेंद्र की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो जाएगी। शहर के सिविल लाइन रोड समेत कुछ मोहल्ले की बिजली आपूर्ति लोकल फाल्ट से कुछ देर के लिए बंद रही। बारिश का सर्वाधिक असर ग्रामीण क्षेत्रों के बिजली आपूर्ति पर पड़ा है। शनिवार की शाम तक अधिकांश क्षेत्र की बिजली आपूर्ति तो बहाल कर दी गई, लेकिन 109 गांवों की बिजली आपूर्ति लोकल फाल्ट के चलते पूरी रात ठप रही। अधीक्षण अभियंता जीसी यादव ने कहा कि कोई फीडर बंद नहीं है। सभी उपकेंद्र के सभी फीडरों की बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। लोकल फाल्ट से कुछ गांवों की आपूर्ति प्रभावित है। जल्द ही सुधार कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। दिनभर बाधित रही बिजली आपूर्ति: सोहनपुर, देवरिया। सोहनपुर रक्षाबंधन पर्व पर सोहनपुर बाजार के अंतर्गत बिजली आपूर्ति सुबह पांच बजे से ही नहीं मिली। आपूर्ति देरशाम तक ठप रही। परेशानियों का सामना करने वाले उपभोक्ताओं में आक्रोश है। अवर अभियंता सुधीर यादव ने कहा कि कुछ तकनीकी कारणों से दिक्कत आई थी।

एसडीएम के निर्देश पर खिरकिया मन्दिर में हुऐ अवैध अतिक्रमण को हटवाते राजस्व टीम

खिरकिया/कुशीनगर। पडरौना कोतवाली के जंगल खिरकिया में एसडीएम के निर्देश पर शनिवार की दोपहर बाद राजस्व विभाग की टीम ने खिरकिया दुर्गा मंदिर परिसर और उसके बाहर रखी गई गुमटियों और अन्य अतिक्रमण को जेसीबी से हटाई गई । जनपद कुशीनगर के पडरौना कोतवाली अंतर्गत खिरकिया बाजार में स्थित माँ दुर्गा मन्दिर परिसर में हुये अतिक्रमण की शिकायत किसी ने मुख्यमंत्री से की थी ।जिसके बाद डीएम के आदेश पर एसडीएम ने राजस्व विभाग को भेज कर खिरकिया स्थित दुर्गा मंदिर के सामने की भूमि गाटा नंबर 40 जो राजस्व अभिलेख में झरही नदी के नाम दर्ज है तथा गाटा नंबर 41 नाला व 44 दुर्गा मंदिर के नाम से दर्ज है जिसपर बैजनाथ,रामचंद्र,सिंगासन,रामप्रताप, सीताराम, रामानंद,चंद्रदेव, नंदलाल, हरिनरायन,रामबृक्ष,भीम, रामकेवल,त्र लोकी,नगीना, शारदा,नरेश, बाढू,शम्भू,बनारसी, रघुनाथ सहित 22 लोगों द्वारा अबैध कब्जा कर लिया गया था। इस मामले में पूर्व कानूनगो द्वारा बार बार नोटिस देने के बाद भी अबैध कब्जाधारियों ने भूमि खाली नही की जिसपर मुख्यमंत्री के आदेश पर जिलाधिकारी ने तत्काल भूमि खाली कराने का आदेश दिये थे । खिरकिया बाजार में प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर है। मंदिर परिसर और मुख्य गेट के बाहर गुमटी, ठेला सहित कुछ झोपड़ीया डालकर दुकाने लोगों ने खोल रखी थी। कई वर्षों से दुकाने ऐसे ही चलती थी। शनिवार की दोपहर बाद एसडीएम के निर्देश पर कानूनगो रामहरत यादव, लेखपाल रामदरश शर्मा, खिरकिया पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी एसआई राकेश रौशन सिंह मौके पर पहुचे और जेसीबी से मंदिर परिसर में अतिक्रमण दुकानों को हटाना शुरू कर दिए, जिसकी जानकारी होने के बाद लोगो की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। राजस्व विभाग की टीम परिसर से अतिक्रमण हटवाने के बाद मुख्य गेट के बगल में स्थित गुमटियों को भी हटा दी। इसकी जानकारी होने पर शाम करीब साढ़े चार बजे लोगों की भीड़ जुट गई और इस कार्रवाई को गलत बताते हुए विरोध करने लगे, मौके पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इसकी जानकारी होने पर एसडीएम कोमल यादव, सीओ सदर संदीप वर्मा, कोतवाल अनुज सिंह सहित पुलिस फोर्स पहुच गई। एसडीएम और सीओ ने आक्रोशित लोगो को समझाने में लग गए।जिसके बाद मामला शान्त हुआ । इस दौरान लेखपाल रंजित जायसवास,रामदर्शन शर्मा,स्तर सिंह, मुनायन यादव ,पुजारी कपिलदेव मिश्र उर्फ मुन्नी बाबा, इत्यादि लोग उपस्थितरहे ।

महाप्रबन्धक,पूरे विनय कुमार त्रिपाठी के कुशल नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे प्रगति के पथ पर निरन्तर अग्रसर

गोरखपुर । महाप्रबन्धक,पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनय कुमार त्रिपाठी के कुशल नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे प्रगति के पथ पर निरन्तर अग्रसर है। पूर्वोत्तर रेलवे पर संरक्षित रेल संचलन, यात्रियों की संरक्षा एवं सुरक्षा तथा रेल सम्पत्ति की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है, जिसके लिये रेलवे प्रशासन सतत् प्रयत्नशील है। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन द्वारा दुर्घटनाओं को रोकने के लिये किये गये नये प्रयासों के परिणामस्वरूप विगत दो वर्षों में कोई परिणामी दुर्घटना नही हुई। दुर्घटनाओं को रोकने के लिये महत्वपूर्ण कदम के रूप में बड़ी लाइन रेल खण्डों पर मानवरहित समपारों को समाप्त कर दिया गया है, जिससे दुर्घटनाओं की संख्या में आशातीत कमी आई है। इसके साथ ही रोड ओवरब्रिज एवं सीमित ऊँचाई के सब–वे का निर्माण कर मानवयुक्त समपारों को भी बन्द करने का कार्य प्रगति पर है, जिससे बेहतर संरक्षा एवं समय–पालन सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि अभी तक पूर्वोत्तर रेलवे पर कुल 644 समपारों को बन्द किया जा चुका है । वर्ष 2020–21 में कुल 115 समपारों को विभिन्न माध्यमों से बन्द किया गया। वर्ष 2020–21 में 91 समपारों को एल.एच.एस, 15 समपारों को डायवर्जन तथा 9 को डायरेक्ट क्लोजर द्वारा बन्द किया गया। वर्ष 2021–22 में कुल 100 समपारों को समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिनमें से अभी तक 10 समपारों को बन्द किया जा चुका है। इनमें से 03 समपारों को एल.एच.एस., 01 समपार को डायवर्जन, 02 समपारों को डायरेक्ट क्लोजर तथा 04 को आर.ओ.बी. का प्रावधान कर बन्द किया गया है। वर्तमान वित्त वर्ष में इज्जतनगर मंडल में 27, वाराणसी मण्डल में 45 तथा लखनऊ मण्डल में 28 समपारों को बन्द किया जायेगा । कुल 100 समपारों में से 08 को आर.ओ.बी., 27 को डायवर्जन, 03 को डायरेक्ट क्लोजर तथा 62 को एल.एच.एस. का प्रावधान कर बन्द किया जायेगा । पूर्वोत्तर रेलवे के सभी स्टेशनों पर इलेक्ट्रानिक इण्टरलॉकिंग कर दी गई है। इसके साथ ही संरक्षा हेतु अन्य महत्वपूर्ण कार्य के रूप में ट्रैक रिन्युवल के बैकलॉक को पूरा करना, बेहतर अनुरक्षण प्रणाली का प्रयोग, बेहतर रोलिंग स्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। यात्रियों एवं रेल सम्पत्ति की सुरक्षा के लिये पूर्वोत्तर रेलवे के 23 स्टेशनों पर सी.सी.टी.वी. कैमरा लगाया गया है तथा 04 स्टेशनों पर इसके लगाये जाने का कार्य प्रगति पर है। महिला कोचों में यात्रा करने वाले अनधिकृत यात्रियों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। महिला यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के अन्तर्गत 'मेरी सहेली' अभियान द्वारा इस वर्ष 12203 गाड़ियों में 4447 महिला रेलवे सुरक्षा बलकर्मियों द्वारा महिला यात्रियों को सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी दी जा रही है। इस अभियान के फलस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे पर महिला कोच में पुरूष यात्रियों के अनाधिकृत प्रवेश में आशातीत गिरावट दर्ज की गई है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा यात्रियों एवं रेल सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु 128 गाड़ियों की प्रतिदिन स्कोर्टिंग की जाती है। रेलवे पर किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा सहायता हेतु बनाये गये यूनिवर्सल हेल्प लाइन नम्बर '139' पर शिकायतों का निस्तारण एवं यात्रियों को सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त रेलवे प्रशासन द्वारा राजकीय रेलवे पुलिस के माध्यम से भी रेलों पर अपराधों की रोकथाम एवं यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

सुपरफास्ट द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस विशेष गाड़ी का किया जायेगा संचलन

गोरखपुर । रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 04076/04075 आनन्द विहार टर्मिनस–नाहरलागुन– आनन्द विहार टर्मिनस वातानुकूलित सुपरफास्ट द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस विशेष गाड़ी का संचलन 29 अगस्त, 2021 से अगले आदेश तक प्रत्येक वृहस्पतिवार एवं रविवार को आनन्द विहार टर्मिनस से तथा 31 अगस्त, 2021 से अगले आदेश तक प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को नाहरलागुन से किया जायेगा।

इस गाड़ी में सभी कोच आरक्षित श्रेणी के होंगे तथा इसमें यात्रा करने वाले यात्रियों को कोविड–19 से बचाव के मानकों का पालन करना होगा। 04076 आनन्द विहार टर्मिनस– नाहरलागुन वातानुकूलित सुपरफास्ट द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस विशेष गाड़ी 29 अगस्त, 2021 से अगले आदेश तक प्रत्येक वृहस्पतिवार एवं रविवार को आनन्द विहार टर्मिनस से 16.45 बजे प्रस्थान कर कानपुर सेन्ट्रल से 21.45 बजे, लखनऊ से 23.20 बजे, दूसरे दिन गोरखपुर से 04.15 बजे, सीवान से 06.05 बजे, छपरा से 07.20 बजे, हाजीपुर से 08.40 बजे, बरौनी से 10.15 बजे, कटिहार से 14.25 बजे, न्यू जलपाईगुड़ी से 18.15 बजे, न्यू कूचबिहार से 20.07 बजे, न्यू बोगाईगांव से 22.05 बजे, तीसरे दिन रंगिया से 00.15 बजे, उदलागुड़ी से 01.03 बजे, रंगापाड़ा नार्थ से 02.45 बजे तथा हरमुती से 05.15 बजे छूटकर नाहरलागुन 06.40 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 04075 नाहरलागुन–आनन्द विहार टर्मिनस वातानुकूलित सुपरफास्ट द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस विशेष गाड़ी 31 अगस्त, 2021 से अगले आदेश तक प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को नाहरलागुन से 21.50 बजे प्रस्थान कर हरमुती से 22.18 बजे, दूसरे दिन रंगापाड़ा नार्थ से 00.40 बजे, उदलागुड़ी से 01.42 बजे, रंगिया से 02.55 बजे, न्यू बोगाईगांव से 05.20 बजे, न्यू कूचबिहार से 07.02 बजे, न्यू जलपाईगुड़ी से 10.00 बजे, कटिहार से 13.40 बजे, बरौनी से 16.30 बजे, हाजीपुर से 18.00 बजे, छपरा से 19.55 बजे, सीवान से 20.55 बजे, गोरखपुर से 23.25 बजे, तीसरे दिन लखनऊ से 04.20 बजे तथा कानपुर सेन्ट्रल 06.15 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनस 11.30 बजे पहुँचेगी। इस विशेष गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 11, पेन्ट्रीकार के 01 कोच, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 05, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 02 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

थायरॉयड एक गंभीर रोग परन्तु इलाज संभव

डॉ रूप कुमार बनर्जी
होम्योपैथिक चिकित्सक

थायरॉयड एक ऐसी बीमारी है जिसको करीब करीब सभी ने सुना होगा । कुछ इसको गंभीरता से सोचते हैं और कुछ इसे हल्के मै उड़ा देते हैं । भारत में करीब 40 मिलियन लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं, जिसमें हाइपोथायरायडिज्म से 10 में से 1 व्यक्ति पीड़ित है। ये आकंडे थायराइड की भयावह स्थिति को बयां करने के लिए काफी हैं। मानव शरीर में थायराइड ग्रंथि तितली के आकार की होती है, जो गले के सामने वाले हिस्से पर स्थिति होती है, जो खून में हार्मोन का निर्माण, स्टोर एवं निकालती रहती है ताकि वह हार्मोन शरीर की कोशिकाओं तक पहुंच सके।

लेकिन जब यह ग्रंथि अपने इस काम को सही से नहीं कर पाती है, तो उस स्थिति को थायराइड की बीमारी कहा जाता है।अधिकांश लोगों को इसकी पूर्ण जानकारी नहीं है। इसी कारण वे आसानी से इसके शिकार बन जाते हैं। थायराइड क्या है ? :– थायराइड से तात्पर्य ऐसी स्थिति से है, जिसमें थायराइड ग्रंथि पर्याप्त मात्रा में हार्मोन का निर्माण नहीं कर पाता है। इसकी वजह से व्यक्ति की शारीरिक क्षमता काफी कम हो जाती है और यह अन्य स्वास्थ परेशानियों का कारण भी बन जाता है।थायराइड मुख्य रूप से चार प्रकार का होता है, जो निम्नलिखित हः–

1– हाइपोथायरायडिज्म थायराइड :– यह थायराइड का प्रमुख कारण है, जो थायराइड ग्रंथि में थायराइड हॉर्मोन की कमी के कारण होता है।हाइपोथायरायडिज्म थायराइड मुख्य रूप से छोटे बच्चों में देखने को मिलता है, जिसका इलाज दवाईयों के माध्यम से संभव है।

2– हाइपरथाइरॉयडिज्म थायराइड :– यह अन्य थायराइड है, जो थायराइड ग्रंथि में अतिरिक्त टिशू के निर्माण होने के कारण होता है।हाइपरथाइरॉयडिज्म थायराइड में हार्मोन की अधिकता हो जाती है।

3– गोइटर थायराइडः– इसे आम भाषा में घेंघा रोग कहा जाता है, जो मुख्य रूप से शरीर में आयोडीन की कमी के कारण होता है।

4– थायराइड कैंसर :– यह थायराइड का सबसे गंभीर और अंतिम प्रकार है ! थायराइड कैंसर उस स्थिति में होता है, जब थायराइड ग्रंथि में गांठ बन जाती है।

थायराइड के लक्षण – संभवतरू कुछ लोगों को यह याद न हो कि उन्हें थायराइड कब हुआ, लेकिन यदि वे इसके लक्षणों पर ध्यान देते, तो शायद वे समय रहते इसका इलाज शुरू करा पातें।

अतरू यदि किसी व्यक्ति को ये लक्षण नजर आते हैं, तो इसे सर्तक हो जाना चाहिए क्योंकि यह गले की समस्या का संकेत हो सकते हैं–

1– वजन का बढ़ना या कम होना – यह थायराइड का प्रमुख लक्षण है, जिसमें व्यक्ति के वचन में अचानक से तब्दीली आ जाती है।इस बीमारी में कुछ लोगों का वजन बढ़ जाता है तो वहीं कुछ लोगों का वजन कम हो जाता है।

2– गले में सूजन का होना – अक्सर, ऐसा देखा गया है कि थायराइड होने पर कुछ लोगों के गले में सूजन हो जाती है।ऐसा मुख्य रूप से घेंघा रोग का लक्षण हो सकता है ।

3– ह्रदय गति में बदलाव होना – यदि किसी व्यक्ति की ह्रदय गति में बदलाव हो जाता है और वह सामान्य से तेज चलने लगती है, तो उसे इसकी जांच जरूर करानी चाहिए।ह्रदय गति में बदलाव थायराइड के होने का संकेत हो सकता है।

4– मूड स्विंग का होना – थायराइड का अन्य लक्षण मूड स्विंग भी होता है। ऐसा देखा गया है कि इससे पीड़ित लोग कभी खुश तो कभी दुखी हो जाते हैं।

5– बालों का झड़ना – ऐसा मुख्य रूप से थायराइड होने पर महिलाओं के बाल तेजी से झड़ने लगते हैं।

थायराइड के कारण – हमारी दिनचर्या में ऐसे बहुत सारे तत्व होते हैं, जिनकी वजह से थायराइड हो सकता है, इनमें से कुछ इस प्रकार हैं–

1– शरीर में आयोडीन की कमी का होना – थायराइड की समस्या मुख्य रूप से शरीर में आयोडीन की कमी के कारण होती है। अतरू सभी लोगों को अपने भोजन में ऐसे नमक का सेवन करना चाहिए, जो आयोडीन से भरपूर हो।

2– बच्चे को जन्म देना – कई बार ऐसा देखा गया है कि थायराइड उन महिलाओं को भी हो जाता है, जिन्होंने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया हो।हालांकि, यह समस्या कुछ समय के बाद स्वयं ही ठीक हो जाती है, लेकिन यदि थायराइड लंबे समय तक बनता हो, तो उस स्थिति में उस महिला को अपना सही से इलाज कराना चाहिए।

3– अत्याधिक तनाव लेना – थायराइड उन लोगों में होने की संभावना अधिक रहती है, जो अत्याधिक तनाव लेते हैं । इसी कारण सभी लोगों को तनाव प्रबंधन करने की कोशिश करनी चाहिए।

4– उच्च रक्तचाप का होना – यदि किसी व्यक्ति को उच्च रक्तचाप या हाई ब्लड प्रेशर की समस्या है, तो उसे थायराइड होने की संभावना अधिक रहती है।ऐसे व्यक्ति को अपने रक्तचाप का इलाज सही तरीके से कराना चाहिए ताकि उसे स्वास्थ संबंधी अन्य समस्या न हो।

5– मधुमेह (डायबिटीज) का होना – अक्सर, थायराइड मधुमेह के कारण भी हो जाता है।अतरू इससे पीड़ित व्यक्ति को अपने डायबिटीज को नियंत्रित करने की कोशिश करनी चाहिए।

थायराइड का इलाज – थायराइड से राहत पाने के लिए इन चीजों का सेवन करें रू–

1– प्रोबायोटिक्स – आंत का स्वास्थ्य प्रतिरक्षा प्रणाली को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। आंत में कई प्रतिरक्षा कोशिकाएं पाई जाती हैं। यह वह जगह है जिससे प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करना जरूरी है। थायराइड की समस्या से राहत पाने के लिए प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल किया जा सकता है। प्रोबायोटिक्स के लिए दही और छाछ आदि का सेवन किया जा सकता है !

2 – हल्दी – इसमें कर्क्यूमिन नामक एक बहुत ही शक्तिशाली एंटी–इंफ्लेमेटरी कंपाउंड होता है। हल्दी एक बेहतरीन मसाला है जिसे शरीर में सूजन को कम करने में मदद करने के लिए लगभग किसी भी व्यंजन में शामिल किया जा सकता है।

थायराइड से राहत पाने के लिए भी हल्दी का सेवन कर सकते हैं । कई लोग हल्दी को नजरअंदाज कर देते हैं जो थायराइड से बचाव के लिए जरूरी मानी जाती है। हल्दी वाले दूध का भी सेवन कर सकते हैं !

3 – ओमेगा –3 फैटी एसिड – ओमेगा –3 फैटी एसिड एक और शक्तिशाली एंटी इंफ्लेमेट्री तत्व है। ओमेगा–3 फैटी कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सनफ्लावर का तेल, जैतून का तेल, अखरोट को अपने दैनिक आहार में शामिल करें, साथ ही अपने आहार में मछली के तेल को भी शामिल कर सकते हैं। थायराइज से परेशान लोगों के लिए ओमेगा फैट एसिड काफी फायेदमंद माना जाता है।

4– शुगर–फ्री डाइट – प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों के साथ हाई शुगर के सेवन से शरीर में सूजन का स्तर बढ़ सकता है जो थायराइड की परेशानी को बढ़ा सकता है। अपने आहार से चीनी को हटाने से आपके ऊर्जा स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है और तनाव के स्तर को भी कम किया जा सकता है। थायराइड में हमेशा शुगर फ्री चीजों का सेवन करने की कोशिश करें ।

थायराइड से राहत पाने के लिए कुछ और उपाय –

1– विटामिन डी – विटामिन डी एक स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए आवश्यक है । आधुनिक जीवनशैली की वजह से हममें से ज्यादातर लोगों में विटामिन डी की कमी हो जाती है। रोजाना 15–20 मिनट धूप में रहें, आहार में सलाद और पत्तेदार सब्जियां और हरी पत्तेदार चटनी (पुदीना, धनिया, तुलसी, तुलसी, करी, मोरिंगा) को शामिल करके शरीर में विटामिन डी के लेवल को बढ़ाया जा सकता है ।

2 – ध्यान और व्यायाम– यह शरीर के तनाव से निपटने में मदद करने का एक शानदार तरीका हो सकता है। जैसा कि सभी जानते हैं, तनाव आपके शरीर और आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इसलिए प्रतिदिन कुछ समय निकालें और अपने फेफड़ों को गहरी श्वास द्वारा साफ करें । (नोट – यदि आप थायरॉयड की दवा ले रहे हैं तो कृपया भूलकर अपने मर्जी से दवा बन्द ना करें । आप जिस भी विधा की दवा के रहे हों, बिना अपने चिकित्सक से पूछे दूसरा कदम ना उठाएं ।)

इस कॉलेज में जारी हुआ तालिबानी फरमान, खुले बालों से लेकर सेल्फी लेने तक की नहीं होगी अनुमति

अफगानिस्तान में जिस तरीके से महिलाओं को कंट्रोल में तालिबानी रखते है वैसा ही अब कुछ भारत के राज्य बिहार में देखने को मिल रहा है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन बिहार के एक महिला कॉलेज में तालिबानी फरमान जारी हो चुका है जिसको लेकर अब काफी बवाल भी मच रहा है। ऐसा निर्णय भागलपुर के सुंदरवती महिला महाविद्यालय (एसएम कालेज) प्रबंधन ने लिया है।बता दें कि इस कॉलेज में छात्राएं खुले बाल नहीं रख सकती है, कॉलेज परिसर के बाहर और अंदर सेल्फी ले नहीं सकती है। साथ ही कॉलेज द्वारा जारी ड्रेस कोड का पूरा पालन करना होगा। इस ड्रेस कोड और नए नियमों के आने के बाद से काफी विवाद बढ़ गया है। कॉलेज प्रबंधन के इन नियमों के लागू होने के बाद छात्राओं का गुस्सा काफी बढ़ गया है और सब इसका विरोध करने में जुट गए है। छात्राओं के मुताबिक, कॉलेज प्रबंधन का यह फैसला काफी अजीब है। नए नियमों के साथ ही प्रबंधन ने छात्राओं को सख्त निर्देश दिए है कि, अगर छात्राएं खुले बालों में कॉलेज आई तो उन्हें कॉलेज में एंट्री नहीं दी जाएगी। छात्राएं चोटी बांधकर कॉलेज में प्रवेश करेंगी। यह अजीबोगरीब फरमान 12वीं की छात्राओं के लिए जारी किया गया है। कॉलेज के सूत्रों के मुताबिक, प्राचार्य प्रो. रमन सिन्हा ने नए नियमों को तैयार करने के लिए एक टीम का गठन किया वहीं नए सत्र के छात्राओं के लिए ड्रेस कोड में रॉयल ब्लू कुर्ती, सफेद सलवार, सफेद दुपट्टा, सफेद जुडाव, काला जूता और बालों में दो या एक चोटी रखने की इजाजत है। सर्दी के लिए ड्रेस कोड में भी बदलाव किए गए है, छात्राएं रॉयल ब्लू ब्लेजर और कार्डिगन पहनेगी। अगर छात्र इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो किसी को भी महाविद्यालय में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जहां कुछ छात्र इसका विरोध कर रहे है वहीं कुछ ने इन नियमों का स्वागत भी किया है। बता दें कि काफी विरोध के बाद भी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रमन सिन्हा ने इन नियमों को जारी कर दिया है और कहा है कि, इन छात्राओं को नियम मानने होंगे। साथ ही कहा कि, कुछ छात्राएं इसको बेवजह तूल दे रहे हैं लेकिन यह फैसला वापस नहीं लिया जाएगा।

समाजवादी लोहियावाहिनी की कमेटी गठित

रायबरेली। समाजवादी पार्टी लोहियावाहिनी के जिलाध्यक्ष राहुल निर्मल बागी ने 33 सदस्यी कमेट का गठन किया। जिलाध्यक्ष ने जिला महासचिव के पद पर शुभम सिंह यादव एवं कोषाध्यक्ष पद पर शुभम शुक्ला को मनोनीत किया। जिला उपाध्यक्ष पद पर क्रमशः अखिलेश यादव, अविनीश चौधरी, अनुराग यादव, सचिव पद पर महेश गुप्ता, आकाश बाल्मीकि, विकास कश्यप, मो0 अकरम, सौरभ यादव, हंसराज यादव, अंशुमान पटेल, संतोष शर्मा, नितेश चौधरी, धर्मेन्द्र कुमार गौतम, अमरेन्द्र कुमार जायसवाल, विनय यादव तथा सदस्य पद पर शिवम मिश्रा, स्वप्निल श्रीवास्तव, मो0 आबिद, सोहनलाल लोधी, विक्रम सिंह, सतीश जायसवाल, प्रदीप मौर्या, धर्मेन्द्र गौतम, सच्चे लाल सरोज, सिद्धार्थ पाल, कौशलेन्द्र सिंह, अनिरूद्ध यादव, ऋषभ सेन, दीपक सरोज, आलोक तिवारी मनोनीत हुए। श्री निर्मल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए निर्देशित किया कि आप लोगों से आशा करता हूँ कि आप लोग समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं रीतियों को जन–जन तक पहुँचाने का काम करेंगे तथा जल्द ही बूथ स्तर तक टीमें गठित कर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का काम करेंगे।

जब तक सूरज चांद रहेगा, कल्याण सिंह तेरा नाम रहेगा

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सुकरौली बाजार। कुशीनगर । भारतीय जनता पार्टी हिंदू युवा वाहिनी एवं स्थानीय पत्रकारों ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राजस्थान और मध्य प्रदेश के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह के निधन पर भावविनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आज पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य पाल कल्याण सिंह जी, के निधन पर भारतीय जनता पार्टी के बरिष्ठ नेता एवं सुकरौली के पूर्व ग्राम प्रधान अशोक कुमार के आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं किसान मोर्चा क्षेत्रीय महामंत्री श्री भागवत चौहान की अध्यक्षता में आहूत की गई जिसमें उपस्थित लोगों ने 2 मिनट मौन रहकर हिंदू ह्रदय सम्राट कल्याण सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कल्याण सिंह अमर रहें, अमर रहे,, जब तक सूरज चाँद रहेगा,कल्याण सिंह तेरा नाम रहेगा । का गगन भेदी नारो के साथ श्रद्धांजलि दी गई ।अपने संबोधन में चौहान ने कहा की श्री कल्याण सिंह पिछड़ों दलितों के मसिहा के साथ एक जननायक भी थे इनके निधन से भाजपा के साथ उत्तर प्रदेश की जनता के साथ पुरे राष्ट्र की अपूरणीय क्षति हुई है। जिसकी युगों–युगों तक भरपायी नही हो पायेगी। भाजपा नेता अशोक कुमार पत्रकार, ने कहा कि हिन्दू हितो के रक्षा एवं श्री राम जन्म भूमि पर भव्य राम मन्दिर निर्माण के लिए ही मुख्यमंत्री पद का त्याग पत्र दे दिया,ऐसे निस्वार्थ राम भक्त को शत शत नमन करता हूं। हिन्दू युवा वाहिनि के तहसील उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री सिंह के निधन की खबर प्रदेश की जनता को गहरा झटका लगा है वे एक कुशल प्रशासक के साथ जनप्रिय, लोक प्रिय , जननायक थे । जिन्हें राममन्दिर निर्माण के पुरोधा के रूप मे हमेशा याद किया जायेगा । उक्त अवसरहिंदू युवा वाहिनी के नगर संयोजक गुड्डू , पूर्व प्रधान श्रीनिवास सिंह, विकाऊ प्रसाद, जितेन्द्र कुमार, इजि० सत्येन्द्र कुमार, राजेन्द्र कुमार, पत्रकार पप्पू गुप्त, पत्रकार जगदीश सिंह, रत्नाकर, रामसुरेश, यश कुमार, आदि प्रमुख लोगो ने पूर्व मुख्यमंत्री सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प चढ़ाकर मृत्यु आत्मा की शान्ति के लिए श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। क्षेत्र पंचायत सुकरौली बाजार के कार्यालय परिसर मे भी भाजपा मण्डल अध्यक्ष ज्ञान विक्रम सिंह के अध्यक्षता मे भी एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसके मुख्यअतिथि भारतीय जनता पार्टी कुशीनगर के पूर्व जिलाध्यक्ष जयप्रकाश शाही रहें द्यसाईं ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह जैसे राष्ट्रभक्त, रामभक्तके निधन से पूरा हिंदू समाज मर्माहत है,उनके निधन से भारतीय जनता पार्टी के साथ–साथ पूरे राष्ट्र की अपूर्णीय क्षति हुई है जिसकी भरपाई होना संभव नहीं है, राम मन्दिर निर्माण को लेकर जिन्हें युगो युगों तक याद किया जाएगा, शाही ने ने कहा कि जब तक सूरज चांद रहेगा तबतक कल्याण सिंह का नाम अमर रहेगा । अंकित कुमार मद्धेशिया, समाज सेवी ऋषि तिवारी, अतुल पाठक, सुवाष पाण्डेय, धीरज त्रिपाठी,ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष अशोक कुमार, पूर्व पंचायत सदस्य श्री भागवत चौहान,अमन त्रिपाठी,जय किशुन यादव,गुड्डू प्रजापति,राजेश गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, संजीव , मुन्ना कुमार गौड़,आदिश्वर तिवारी,आदि प्रमुख लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की 2 मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा थाना पन्नूगंज का किया गया निरीक्षण, दिये निर्देश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अमरेन्द्र प्रसाद सिंह द्वारा थाना पन्नूगंज का निरीक्षण किया गया । निरीक्षक के दौरान सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण करते हुए कार्यालय, हवालात, कंप्यूटर कक्ष, मेस, बैरक, महिला हेल्पडेस्क, ड्यूटी रजिस्टर आदि का निरीक्षण किया गया तथा सम्पूर्ण परिसर को साफ व स्वच्छ रखने एवं कार्यालय के अभिलेखों जैसे– अपराध रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर , त्यौहार रजिस्टर, भूमि विवाद रजिस्टर, हत्या से सम्बन्धित रजिस्टर व बीट सूचना रजिस्टर तथा अन्य अभिलेखों का अवलोकन किया गया तथा उन्हें बेहतर व अद्यावधिक करते हुए उनके व्यवस्थित रखरखाव हेतु प्रभारी निरीक्षक पन्नूगंज को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया । इसके अतिरिक्त थाना क्षेत्र के वांछित अभियुक्तोंध्वारंटियों की गिरफ्तारी, अवैध शराबध्मादक पदार्थोंध्पशु तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने, नक्सली संचरण पर रोकथाम हेतु समय–समय पर प्रभावी कॉम्बिंग करने तथा थाने पर आने वाले शिकायतों का शत–प्रतिशत निस्तारण करने जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । इस मौके पर क्षेत्राधिकारी सदर आशीष मिश्रा, प्रभारी निरीक्षक पन्नूगंज अभिनव वर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

क्राइम ब्रांच सोनभद्र एवं थाना रावर्ट्सगंज को मिली बड़ी कामयाबी

लूट की घटना का किया पर्दाफाश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी नगर के मार्गदर्शन में बढौली चौराहे पर अपराधियों व संदिग्ध व्यक्तियों के चेकिंग के दौरान प्रभारी चौकी कस्बा सुकृत प्रभारी सर्विलांस सेल एवं प्रभारी स्वाट टीम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि पंजाब नेशनल बैंक रोडवेज तिराहे के पास घटित घटना लूट अम्बेडकर नगर हुए नकबजनी से सम्बन्धित अभियुक्त गण दण्डयीत बाबा मंदिर परिसर में मौजूद है जल्द जाने से पकड़े जा सकते हैं सूचना को सही मानकर पुलिस शीघ्रता दिखाते हुए वहा पहुची देखा दो पुरुष व एक महिला बैठी हुई थी जो पुलिस को देखकर घबरा गये पुलिस ने मोटर साइकिल बाहर ही बरामद कर लिया मौके पर तीनों को हिरासत में ले लिया गया पूछताछ करने पर अपना नाम रोहन तिवारी पूत्र गार्ड तिवारी निवासी छिपिटोला चौहट्टा थाना नगर हाजीपुर जनपद बैशाली बिहार राहुल कुमार तिवारी पुत्र मनोज तिवारी निवासी दिग्गी कला थाना नगर हाजीपुर जनपद बैशाली बिहार रीना देबी पत्नी गार्ड तिवारी निवासिनी छिनीटोला चौहट्टा थाना नगर हाजीपुर जनपद बैशाली बिहार बताया उनके द्वारा बताया गया कि लूट की घटना में राजा तिवारी पुत्र अरुण तिवारी निवासी कमालपुर सिंघिया थाना बिच्छू पुर जनपद वैशाली बिहार रचित तिवारी पुत्र गार्ड तिवारी नकबजनी का माल अपने पास रखती थी अभियुक्त गण के पास है तिरालिस हजार रुपए नगर पल्सर मोटरसाइकिल 1 जोड़ी पायल 4 मीना दो आधार कार्ड एक पासबुक नकबजनी का रू0 25000 नगद बरामद किया गया गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रमुख रूप से सुभाष चंद्र राय प्रभारी निरीक्षक थाना रावटसगंज श्याम बहादुर यादव प्रभारी एसओजी सरोजना सिंह प्रभारी सर्विलांस अमित त्रिपाठी प्रभारी स्वाट टीम कृष्ण अवतार सिंह प्रभारी कस्बा चौकी चौकी प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह सुकृत कांस्टेबल उमेश गौतम रवींद्रनाथ विनोद यादव अजीत जगदीश मौर्य अरविंद सिंह आदि रहे!

दीपा मलिक ने कहा, तोक्यो पैरालंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे

नयी दिल्ली। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) की प्रमुख दीपा मलिक को उम्मीद है कि देश के पैरा खिलाड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे तोक्यो खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इतिहास रचेंगे। भारत इन खेलों में अपना अब तक का सबसे बड़ा दल उतार रहा है। देश के 54 खिलाड़ी नौ खेलों में चुनौती पेश करेंगे जिसमें तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कैनोइंग, निशानेबाजी, तैराकी, पावरलिफ्टिंग, टेबल टेनिस और ताइक्वांडो शामिल हैं। यह पूछने पर कि क्या उन्हें अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है, दीपा ने कहा, ''बेशक, मुझे बहुत अधिक उम्मीदें हैं। इस साल भारत अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेज रहा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि हम इतिहास रचेंगे।'' उन्होंने कहा, ''यह दल पिछले दल से तीन गुना बड़ा है, 2016–2020 के बीच चार से पांच साल में हमने चार और खेलों में क्वालीफाई किया है।'' मलिक ने वर्चुअल प्रेस

कांफ्रेंस के दौरान कहा, ''महामारी के कारण दो साल प्रभावित हुए लेकिन इसके बावजूद क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है।''

पैरालंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला दीपा ने कहा कि भारतीय दल के लिए आंकड़े अच्छे दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, ''सिर्फ क्वालीफाई करने वाले ही नहीं बल्कि विश्व रैंकिंग के आधार पर भी खिलाड़ियों ने काफी कोटा हासिल किए हैं। आंकड़े काफी अच्छे नजर आ रहे हैं, चयन ट्रायल में खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया और उनकी मौजूदा विश्व रैंकिंग को देखते हुए काफी उम्मीदें हैं।'' दीपा ने कहा, ''प्रतिभागियों और खेलों की संख्या में इजाफा हुआ है, हमारे पास शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं, इससे संकेत मिलते हैं कि ये भारतीय इतिहास के शानदार पैरालंपिक होने वाले हैं।'' रियो पैरालंपिक 2016 में भारतीय दल ने दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक सहित कुल चार पदक जीते थे। गोला फेंक में रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता दीपा ने कहा कि खेल गांव में खिलाड़ियों ने हालात से अच्छा सामंजस्य बैठाया है।

कोविड से जुड़ी पाबंदियों पर उन्होंने कहा, ''हमें प्रत्येक सुबह अपने नमूने कोविड परीक्षण के लिए सौंपने होते हैं। किसी भी स्थान पर प्रवेश से पहले तापमान जांचा जाता है और सामाजिक दूरी बनाकर रखनी होती है। खेल गांव में भी तय लेन बनाई गई हैं।'' तोक्यो 2020 पैरालंपिक के साथ साझेदारी करने वाले शीतल पेय बनाने वाली कंपनी कोका कोला के भारतीय ब्रांड 'थंब्स अप' पैरालंपिक खिलाड़ियों से जुड़ा अभियान पेश करेगा जिसमें कई वीडियो और अन्य डिजिटल एवं सोशल मीडिया से जुड़ी सामग्री होगी जिससे कि जिन स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं उनसे लोगों को जोड़ा जा सके। इस अभियान का हिस्सा छह खिलाड़ी हैं जिसमें मरियप्पन थंगावेलू (ऊंची कूद), सकीना खातून (पावरलिफ्टिंग), सुयश यादव (तैराकी), नवदीप (भाला फेंक), सुमित अंतिल (भाला फेंक) और अवनी लेखारा (निशानेबाजी) शामिल हैं।

सचिन तेंदुलकर ने पैरालंपिक खेलों के लिए मांगा समर्थन, पैरा एथलीटों को बताया वास्तविक जीवन का नायक

मुंबई। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने पैरा खिलाड़ियों को 'वास्तविक जीवन के नायक' करार देते हुए देशवासियों से तोक्यो पैरालंपिक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का समर्थन करने की अपील की। पैरालंपिक खेल मंगलवार से शुरू होंगे। तेंदुलकर ने सोमवार को बयान में कहा, ''यह पैरालंपिक खेलों का समय है और मैं सभी भारतीयों से तोक्यो खेलों में भाग ले रहे देश के 54 खिलाड़ियों का समर्थन करने की अपील करता हूं।'' तेंदुलकर ने कहा कि पैरा खिलाड़ियों का सफर सीख देता है कि यदि जज्बा है और दृढ़ संकल्प है तो व्यक्ति कुछ भी कर सकता है। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि ये

क्षमताओं वाले खिलाड़ी नहीं बल्कि असाधारण क्षमता वाले महिला और पुरुष हैं जो हम सभी के लिये वास्तविक जीवन के नायक हैं।'' तेंदुलकर ने कहा, ''उनकी जीवन यात्रा से हमें सीख मिलती है कि महिलाएं और पुरुष अपने जुनून, प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के साथ क्या कर सकते हैं और हम सभी के लिये प्रेरणा का काम कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि पैरालंपिक में भाग लेने वाले प्रत्येक खिलाड़ी का समर्थन करना जरूरी है भले ही परिणाम कुछ भी रहे। मुंबई। अपने जमाने के महिलाएं और पुरुष विशेष तेंदुलकर ने कहा, ''मेरा मानना है कि यदि हम अपने पैरालंपिक खिलाड़ियों को उसी तरह से समर्थन दे सकते हैं जैसा हम अपने ओलंपिक नायकों और क्रिकेटरों को देते रहे हैं तो हम बेहतर समाज स्थापित कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''और केवल पदक विजेताओं का ही नहीं बल्कि सभी का हौसला बढ़ाना आवश्यक है। पैरालंपिक खेलों में भाग ले रहे सभी 54 खिलाड़ियों में से प्रत्येक पदक नहीं जीत पाएगा।'' तेंदुलकर ने उम्मीद जतायी कि इस बार भारत पैरालंपिक में अधिक पदक जीतने में सफल रहेगा। उन्होंने कहा, ''मैं पढ़ रहा हूं कि हम इस बार 10 से अधिक पदक जीत सकते है। मुझे उम्मीद है कि हम और पदक जीतेंगे। रियो में हमने चार पदक जीते थे। यदि इस बार हम 10 से अधिक पदक जीतते हैं तो यह बहुत बड़ा बदलाव होगा जिसका हम सभी को जश्न मनाना चाहिए।

शैली सिंह के सिल्वर मेडल जीतने पर अंजू बॉबी जार्ज ने की तारीफ, कहा– मेरा रिकार्ड तोड़ती है तो खुशी होगी

नयी दिल्ली।अंजू बॉबी जार्ज ने जब पहली बार शैली सिंह को देखा तो वह छोटी, दुबली पतली लड़की थी जो अपने साथ की शीर्ष तीन एथलीटों में भी शामिल नहीं थी लेकिन लंबी कूद की इस प्रसिद्ध एथलीट ने उसे कोचिंग देना का फैसला किया क्योंकि उन्हें उसमें अपने जैसी खिलाड़ी नजर आयी जो कभी हार नहीं मानती। उस समय शैली 13 साल की थी और राष्ट्रीय प्रतियोगिता में लंबी कूद में पांचवें स्थान पर रही थी। अब वह 17 साल की है उन्होंने अंडर–20 विश्व चौंपियनशिप में रजत पदक जीतकर बड़े मंच पर अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज करा दी है। वह रविवार को नैरोबी में महिलाओं की लंबी कूद में मात्र एक सेंटीमीटर के अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गयी थी। झांसी में जन्मी शैली को उनकी मां ने पाल पोसकर बड़ा किया। वह ओलंपिक चौंपियन नीरज चोपड़ा और 400 मीटर की धाविका हिमा दास की श्रेणी में शामिल होने से चूक गयी जिन्होंने इस प्रतियोगिता में क्रमशः 2016 और 2018 में स्वर्ण पदक जीते थे। शैली को हालांकि भारतीय एथलेटिक्स का अगला बड़ा सितारा माना जा रहा है। अंजू ने कहा, ''निश्चित तौर पर उसका शरीर और मांसपेशियां लंबी कूद के अनुकूल हैं और जब मैंने उसका दृढ़ संकल्प देखा तो मुझे लग गया था कि वह लंबी राह तय करेगी।'' विश्व चौंपियनशिप 2003 में कांस्य पदक जीतने वाली अंजू ने कहा, ''बाद में मैंने पाया कि वह बहुत जल्दी सीखती है। हमेशा सुधार का प्रयास करती है और कभी

हार नहीं मानती। संक्षेप में कहूं तो वह काफी हद तक मेरे जैसे है।'' अंजू ने जिस प्रतियोगिता का जिक्र किया वह नवंबर 2017 में विजयवाड़ा में खेली गयी राष्ट्रीय जूनियर चौंपियनशिप है। शैली ने तब लंबी कूद में लड़कियों के 12 से 14 आयु वर्ग में हिस्सा लिया था और 4.64 मीटर के साथ पांचवें स्थान पर रही थी। लेकिन उनका कभी हार नहीं मानने के जज्बे ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के कोच और अंजू के पति राबर्ट बॉबी जार्ज का ध्यान अपनी तरफ खींचा। इसके कुछ दिन बाद अंजू ने विशाखापट्टनम में राष्ट्रीय अंतर राज्यीय जूनियर एथलेटिक्स मीट में शैली को देखा और उसे कोचिंग देने का फैसला किया। अंजू ने कहा, ''रॉबर्ट ने मुझे उसके बारे में बताया था। इसके बाद मैं विशाखापट्टनम गयी और मैंने उसे देखा। मुझे लगा कि वह लंबी राह तय करेगी।''

उन्होंने कहा, ''मैंने उसे नवंबर 2017 में देखा तथा उसे अप्रैल 2018 में मेरे और रॉबर्ट की निगरानी में लाने का फैसला किया। वह बेंगलुरू में साइ केंद्र से जुड़ गयी। रॉबर्ट की कोचिंग से उसे काफी मदद मिली।'' इस युवा खिलाड़ी को बाद में लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम के विकास समूह में शामिल किया गया। ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट संस्था से भी उसे सहयोग मिला। शैली का पहले सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 6.48 मीटर था जो उन्होंने जून में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चौंपियनशिप में हासिल किया था। अब अंडर–20 विश्व चौंपियनशिप में उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अंजू ने कहा, ''इससे उसकी क्षमता का पता चलता है। रॉबर्ट ने उसके लिये 6.60 मीटर का लक्ष्य तय किया था और वह इससे केवल एक सेंटीमीटर पीछे रही। वह भी उसने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हासिल किया। रॉबर्ट ने रविवार को कहा था कि शैली तीन साल के अंदर अंजू के राष्ट्रीय रिकार्ड 6.83 मीटर को तोड़ सकती है। इस पर अंजू ने कहा, ''उसमें बहुत क्षमता है। मुझे पूरा विश्वास है कि वह तीन साल के अंदर इसे तोड़ देगी। यदि वह मेरा रिकार्ड तोड़ती है तो मुझे बहुत खुशी होगी।

सिंगापुर की राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगी कमला हैरिस, एशिया की यात्रा हुई शुरू

सिंगापुर।अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस सिंगापुर की राष्ट्रपति और वहां के प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात कर दक्षिणपूर्व एशिया की अपनी यात्रा का आरंभ करेंगी। मुलाकात के दौरान क्षेत्र में प्रमुख सहयोगियों के साथ संबंधों को मजबूत करने तथा अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी से उत्पन्न चुनौतियों पर भी चर्चा की जाएगी। हैरिस सिंगापुर के बाद वियतनाम

जाएंगी। इस यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए सिंगापुर और वियतनाम के साथ सहयोग बढ़ाना है। उपराष्ट्रपति सोमवार सुबह सिंगापुर की राष्ट्रपति हलीमा याकूब और सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग के साथ मुलाकात के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन भी करेंगी। इसके बाद वह 'चांगी नेवल बेस' जाएंगी, जहां वह एक लड़ाकू जहाज 'यूएसएस टुल्सा' पर सवार अमेरिकी नाविकों से बातचीत करेंगी। हैरिस मंगलवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए एक भाषण देंगी और आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए व्यापार जगत के लोगों से मिलेंगी। यह हैरिस की दूसरी विदेश यात्रा है। जून में वह ग्वाटेमाला और मैक्सिको की यात्रा पर गईं थी। यह पहली बार होगा जब कोई अमेरिकी उपराष्ट्रपति वियतनाम की यात्रा पर जाएगा।

भारतीय दल से कुल 11 लोग होंगे तोक्यो पैरालंपिक उद्घाटन समारोह का हिस्सा!

तोक्यो। भारतीय दल के मिशन प्रमुख गुरशरण सिंह ने रविवार को कहा कि मंगलवार को तोक्यो पैरालंपिक के उद्घाटन समारोह में देश के दल से सिर्फ छह अधिकारियों को हिस्सा लेने की स्वीकृति मिली है। उद्घाटन समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व 11 सदस्यीय दल करेगा। बाकी पांच खिलाड़ी हैं। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों की संख्या पर कोई सीमा नहीं है लेकिन अब तक सिर्फ सात भारतीय प्रतिस्पर्धी तोक्यो पहुंचे हैं। इन सात में से भी दो टेबल टेनिस खिलाड़ियों सोनल पटेल और भाविना पटेल की बुधवार को स्पर्धाएं हैं और इसलिए वे उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लेंगी। जापान के राजा नारुहितो खेलों की शुरुआत की घोषणा करेंगे। भारत के मिशन प्रमुख और भारतीय पैरालंपिक समिति के महासचिव गुरशरण ने पीटीआई को बताया, ''उद्घाटन

समारोह में सिर्फ छह अधिकारियों को स्वीकृति मिली है जबकि खिलाड़ियों के लिए कोई सीमा नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''दो टेबल टेनिस खिलाड़ियों की अगले दिन बुधवार को स्पर्धाएं हैं इसलिए वे उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लेंगे।'' उद्घाटन समारोह के दौरान छह अधिकारियों की सीमा का नियम आठ अगस्त को खत्म हुए तोक्यो ओलंपिक के दौरान भी लागू था। जिन पांच खिलाड़ियों के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने की उम्मीद है उसमें ध्वजवाहक मरियप्पन थंगावेलू, चक्का फेंक के विनोद कुमार, भाला फेंक के टेकचंद और पावरलिफ्टर जयदीप और सकीना खातून शामिल हैं। उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने वाले छह में से चार अधिकारी तय हैं जो मिशन प्रमुख, उप मिशन प्रमुख अरहान बगाती, कोविड–19 मुख्य संवाद अधिकारी वीके डब्बास और मरियप्पन के कोच तथा पैरा एथलेटिक्स प्रमुख सत्यनारायण हैं।

भारतीय खिलाड़ियों का तीसरा दल सोमवार को रवाना होगा लेकिन ट्रेनिंग की स्वीकृति मिलने से पहले इन्हें पृथकवास से गुजरना होगा। भारत के पैरालंपिक के इतिहास के सर्वाधिक 54 खिलाड़ी तोक्यो खेलों में हिस्सा लेंगे और देश को इस बार अपने सर्वाधिक पदक जीतने की उम्मीद है। तोक्यो में कोविड–19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए ओलंपिक की तरह पैरालंपिक में भी स्टेडियमों में दर्शकों के आने पर प्रतिबंध होगा।

तालिबान ने अमेरिका को दी धमकी, 31 अगस्त तक हटाए अपनी सेना नहीं तो परिणाम भुगतने के लिए रहे तैयार

काबुल। अफगानिस्तान के तालिबान के प्रवक्ता सोहेल शाहीन

अधिकतर प्रांतों पर तालिबान का कब्जा है। राष्ट्रपति अशरफ गनी देश छोड़कर सयुक्त अरब अमीरात (यूएई) चले गए हैं। इसी बीच तालिबान ने अमेरिका को धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका अपनी फौज को 31 अगस्त तक हटाए नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे। दरअसल, अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद अफरा तफरी का माहौल है। वहां पर मौजूद ज्यादातर लोग देश छोड़ने के लिए विवश हैं। ऐसे में काबुल हवाई अड्डे पर भारी तादाद में लोग मौजूद हैं। इसी बीच ने कतर में बैठकर अमेरिका को धमकी दी है। काबुल हवाई अड्डे में मौजूद है अमेरिकी सेना: आपको बता दें अमेरिका ने काबुल हवाईअड्डे को अपने अधिकार में रखा है ताकि सैन्य विमानों समेत अन्य विमान उड़ान भर सकें। काबुल में अभी अमेरिका के करीब 6,000 सैनिक तैनात हैं। दरअसल, अमेरिकी सैनिक 82वीं एयरबॉर्न रनवे को सुरक्षा मुहैया करवा रही है, सेना की 10वीं माउंटेन डिविजन हवाईअड्डे की सुरक्षा में तैनात है तथा 24वीं मरीन इकाई असैन्य नागरिकों की निकासी में मदद दे रही है। अपने लोगों को लगातार निकाल रहा अमेरिका: अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हाल ही में कहा था कि अमेरिका जुलाई से 18,000 से अधिक लोगों को अफगानिस्तान से निकाल चुका है और 14 अगस्त को सेना द्वारा हवाईमार्ग से निकासी का कार्य शुरू होने के बाद से करीब 13,000 लोगों को निकाला जा चुका है। बाइडन ने अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी के अपने फैसले का बचाव भी जारी रखा है।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं०– UPHIN/2012/49458
संस्थापक:– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादक:– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपर:– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

अफगानिस्तान के काबुल से 120 लोग पहुंचे कजाखस्तान,जरूरतमंद लोगों को सहायता दे रहा UN

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने अफगानिस्तान के काबुल से 120 लोगों को कजाखस्तान के अल्माटी पहुंचाया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि बीते हफ्ते में यह इस तरह की दूसरी उड़ान थी। दुजारिक ने रविवार को संवाददाताओं को सूचित किया कि संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और अफगानिस्तान में संरा के सहयोगियों के रूप मे काम करने वाले कई गैर–सरकारी संगठनों के सदस्यों समेत 120 लोगों को काबुल से निकाला गया। उन्होंने बताया कि संरा ने इन लोगों को 22 अगस्त को काबुल से अल्माटी पहुंचाया गया था। इसके कुछ दिन पहले संरा ने अपने 100 जवानों को काबुल में 'सुरक्षा एवं अन्य अवरोधकों' के मद्देनजर अफगानिस्तान से कजाखस्तान

भेजा था। दुजारिक ने कहा, ''संरा के अधिकारियों का एक हिस्सा जो आज काबुल से रवाना हुआ वह अल्माटी में रहकर काम करता रहेगा।'' विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र का ''अभी ध्यान वहां मौजूद अपने हजारों जवानों और सहयोगियों की सुरक्षा पर है और लाखों जरूरतमंद अफगान लोगों को आवश्यक मानवीय सहायता तथा अन्य तरह की मदद मुहैया करवाने पर है।'' पिछले हफ्ते, दुजारिक ने संवाददाताओं को बताया था कि संरा के 100 कर्मियों को काबुल से अल्माटी भेजा गया है जहां रहकर वह काम करते रहेंगे। दुजारिक ने कहा, ''जैसा कि संरा महासचिव ने 16 अगस्त को सुरक्षा परिषद को बताया था, अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की मौजूदगी सुरक्षा हालात के अनुरूप होगी। काबुल तथा देश के अन्य हिस्सों में वर्तमान में सुरक्षा एवं अन्य अवरोधकों के मद्देनजर, संरा कर्मियों के एक हिस्से को देश से बाहर ले जाने का फैसला किया गया। हालात को देखते हुए जवानों को अफगानिस्तान वापस भेजा जाएगा।'' उन्होंने कहा कि अधिकतर मानवीय सेवा कर्मी अफगानिस्तान में ही हैं और लाखों जरूरतमंद लोगों को अहम सहायता दे रहे हैं।

काबुल हवाईअड्डे पर हमलावरों ने अफगान जवान की हत्या की, जर्मनी की सेना ने ट्वीट कर दी जानकारी

बर्लिन। जर्मनी की सेना ने कहा कि सोमवार को काबुल हवाईअड्डे के उत्तरी द्वार पर अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों और अज्ञात हमलावरों के बीच गोलीबारी हुई है जिसमें एक अफगान सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई। सेना ने ट्वीट करके बताया कि सोमवार को तड़के हुई इस मुठभेड़ में अफगानिस्तान के एक सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई है जबकि तीन अन्य घायल हो गए हैं। उसने बताया कि इस संघर्ष में अमेरिका और जर्मनी के बल भी शामिल हो गए, जर्मनी का कोई सैनिक घायल नहीं हुआ है। अभी इस बारे में कोई सूचना नहीं है कि हमलावर कौन थे। काबुल हवाईअड्डे के बाहरी क्षेत्रों में तैनात तालिबान ने अब तक यहां नाटो या अफगान जवानों पर गोलीबारी नहीं की है। रविवार को काबुल हवाईअड्डे में घुसने का प्रयास कर रही भीड़ में से कम से कम सात लोगों की अफरा–तफरी के दौरान मौत हो गई थी। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद हजारों लोग उसके शासन से बचकर भागने की कोशिश में हैं।

द नाइट मैनेजर की हिन्दी रीमेक में ऋतिक के साथ दिखेंगी साउथ अभिनेत्री नाभा नतेश

वेब सीरीज द नाइट मैनेजर की हिन्दी रीमेक को लेकर काफी समय से ऋतिक रोशन सुर्खियों में बने हुए हैं। फेमस नॉवेल द नाइट मैनेजर पर बनी इस सीरीज को ब्रिटिश टेलीविजन की टॉप सीरीज में से एक माना जाता है। इसकी सफलता को भुनाने के लिए ही मेकर्स इसके हिन्दी वर्जन को लाने की तैयारी में जुटे हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि साउथ की चर्चित अभिनेत्री नाभा नतेश इस सीरीज में ऋतिक के अपोजिट नजर आएंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण भारतीय अभिनेत्री नाभा को इस सीरीज में ऋतिक के अपोजिट भूमिका के लिए अप्रोच किया गया है। इस संबंध में अभी आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। साउथ की फिल्मों में इस अभिनेत्री की अच्छी–खासी लोकप्रियता है। नाभा ने साउथ अभिनेता सुधीर बाबू के साथ नन्नू दोचुकुंदुवटे से साउथ की फिल्मों में अपना पदार्पण किया था। उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में अपने अभिनय के बदौलत खुद की पहचान बनाई है।

इस सीरीज के साथ ऋतिक भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करेंगे। द नाइट मैनेजर की हिन्दी रीमेक में खलनायक की भूमिका के लिए मनोज बाजपेयी को अप्रोच किया गया था। हालांकि, उन्होंने इस ऑफर को रिजेक्ट कर दिया था। वह इस प्रोजेक्ट में ऋतिक के अपोजिट भूमिका में दिखने वाले थे। खबरों की मानें तो डेट्स की इश्यू को लेकर मनोज ने ऐसा फैसला लिया था। उन्हें आर्म्स डीलर रिचर्ड रोपर की भूमिका के लिए अप्रोच किया गया था।

सीरीज की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू हो सकती है। यह सबकुछ देश में कोरोना वायरस के मौजूदा हालात पर निर्भर करेगा। ऋतिक के अन्य प्रोजेक्ट के शेड्यूल पर भी सीरीज का आगामी शेड्यूल निर्भर करेगा। इस सीरीज का निर्माण प्रॉडक्शन हाउस बनिजय एशिया द्वारा किया जाएगा। खबरों की मानें तो इस सीरीज का भारतीय संस्करण डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित हो सकता है। सीरीज में ऋतिक टॉम हिडलेस्टन के किरदार को निभाते हुए दिखेंगे। इस सीरीज में हिडलेस्टन, ह्यूज लॉरी, ओलिविया कोलमैन और एलिजाबेथ डेबिकी अहम किरदार में नजर आए थे। इस टीवी सीरीज का प्रसारण 2016 में किया गया था। यह सीरीज ब्रिटिश लेखक जॉन ले कार्रे के उपन्यास पर आधारित है। इस सीरीज में जासूसी के कई रहस्यों को फिल्माया गया है। इस सीरीज के हिन्दी रूपांतरण को संदीप मोदी निर्देशित करेंगे। उन्होंने इससे पहले हिट सीरीज आर्या का सह–निर्माण और सह–निर्देशन किया था।

कांच की चीजों से जिद्दी दाग साफ करने के लिए अपनाएं ये तरीके

घर की कई चीजों को कांच से सजाया जाता है, लेकिन ऐसी चीजों को कई तरह के दागों का सामना करना पड़ जाता है। फिर

चाहें बात लिविंग रूम में रखी कांच की टेबल की हो या फिर बेडरूम में रखी ड्रेसिंग टेबल के शीशे की। हालांकि, इन तरह के दाग को हटाना उतना चुनौतीपूर्ण नहीं है, जितना कि आमतौर पर माना जाता है। आइए आज हम आपको कांच की चीजों से जिद्दी दाग साफ करने के तरीके बताते हैं। बेकिंग सोडा का करें इस्तेमालः कांच की चीजों से जिद्दी दाग हटाने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए पहले एक हल्के गीले स्पंज पर थोड़ा बेकिंग सोडा डालकर इससे कांच की चीजों को रगड़ें। खासतौर पर जहां दाग लगे हैं वहां स्पंज को अच्छे से रगड़े। इसके बाद एक सूखे कपड़े से कांच की चीजों को पोछ दें। ध्यान रखें कि पानी से कांच की चीजें साफ न करें क्योंकि इससे उन पर पानी की दाग रह जाते हैं। सफेद सिरका आएगा कामः कांच की चीजों पर लगे जिद्दी दागों को साफ करने के लिए सफेद सिरका भी काफी काम आ सकता है। दागों को साफ करने के लिए बस एक कटोरी में बराबर मात्रा में सफेद सिरके के साथ पानी मिलाएं और फिर तैयार मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में भरें। इसके बाद कांच की चीजों के दाग पर सफेद सिरके के मिश्रण का छिड़काव करें। अंत में एक कपड़े से कांच की चीजों को पोंछकर साफ करें। शेविंग क्रीम भी है प्रभावीः आप चाहें तो कांच की टेबल, ड्रेसिंग टेबल और बाथरूम के शीशे जैसी कांच की चीजों से दाग साफ करने के लिए शेविंग क्रीम का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसके लिए कांच की चीजों पर शेविंग क्रीम को अच्छे से लगाकर उन पर अल्कोहल युक्त क्लीनर का छिड़काव करें और फिर उन्हें किसी नरम कपड़े से पोंछ दें। ऐसा करने से घर में मौजूद कांच की चीजें बिल्कुल साफ हो जाएंगी। अखबार भी है कारगरः घर में मौजूद कांच की चीजों पर लगे जिद्दी दागों को कुछ ही मिनट में साफ करने के लिए अखबार का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। कांच की चीजों से जिद्दी दागों को साफ करने के लिए सूखे अखबारों का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर ठंडे पानी में अखबार को भिगोकर उससे कांच की चीजों को पोंछ सकते हैं। यकीन मानिए यह भी एक आसान और प्रभावी तरीका है।

अलीशा पंवार ने तेरी मेरी इक जिंदरी में अपनी भूमिका के बारे में बताया

अभिनेत्री अलीशा पंवार को शो तेरी मेरी इक जिंदरी में जोगी (अध्विक महाजन) के बचपन के दोस्त अवनीत का किरदार निभाने के लिए अनुबंधित किया गया है। वह आत्मविश्वास और जुनून से भरी एक आधुनिक पंजाबी लड़की का किरदार निभाएंगी। इश्क में मरजावां और मेरी गुडिया में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली पंवार का कहना है कि शुरू में वह इस परियोजना को स्वीकार करने के लिए उत्सुक नहीं थीं क्योंकि उनका चरित्र दो प्रमुख हस्तियों के बीच दब गया है।

25 वर्षीय अभिनेत्री आगे कहती हैं,जब मुझे इस शो में एक किरदार निभाने के लिए संपर्क किया गया, तो मुझे इसे लेने में काफी संदेह हुआ और मैंने इस चरित्र को लगभग ना कह दिया था, लेकिन मैं अवनीत की कहानी सुनने के लिए आश्वस्त थी। उसके बाद मुझे हां कहने के लिए मजबूर होना पड़ा। वह वास्तव में एक मजबूत और शक्तिशाली लड़की है जो वर्तमान कहानी में एक बहुत ही रोचक और रोमांचक मोड़ लाने के लिए तैयार है।

तेरी मेरी इक जिंदरी दो अलग–अलग व्यक्तित्वों – माही (अमनदीप सिद्धू) और जोगी (अध्विक महाजन) की प्रेम कहानी है। उनकी प्रेम कहानी कई ट्विस्ट और टर्न के साथ विकसित हो रही है। माही और जोगी के जीवन में एक और दिलचस्प पहलू सामने लाना, अवनीत, जोगी की बचपन की दोस्त होगी।

अलीशा अपने चरित्र के बारे में विस्तार से बताती है और बात करती है, क्योंकि वह कहती है कि यह चरित्र उसके पिछले वाले से काफी अलग है और अवनीत के साथ कोई भी आसानी से जुड़ सकता है। वो कहती हैं, मैं वास्तव में प्यार करती हूं कि कैसे चरित्र का वास्तविकता से बहुत करीबी संबंध ा है। आप अवनीत को किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में पाएंगे जो बहुत प्यार करती है लेकिन ईर्ष्या भी कर सकती है। वह बहुत कुछ दे सकती है, लेकिन वह यह भी जानती है कि कैसे वापस लेना है। इसलिए मैं अवनीत की भूमिका निभाने के लिए वास्तव में उत्सुक हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि यह मेरे लिए एक शानदार यात्रा होगी।

जॉन अब्राहम ने मलयालम फिल्म नयट्टू की हिन्दी रीमेक के अधिकार किए हासिल

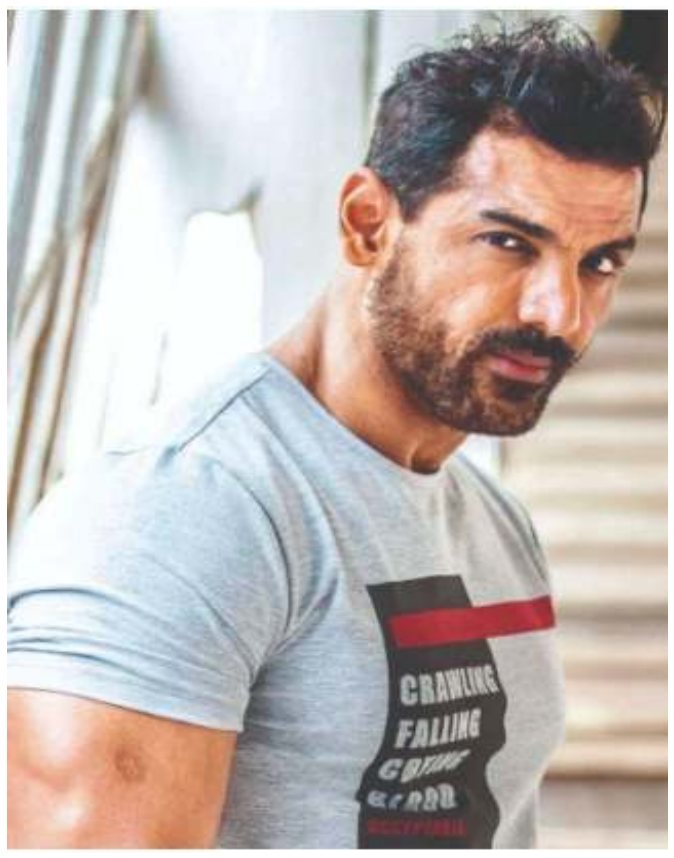

बॉलीवुड में दक्षिण भारतीय फिल्मों की रीमेक का प्रचलन रहा है। साउथ की सुपरहिट फिल्मों की हिन्दी रीमेक को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं। वर्तमान में भी कई साउथ फिल्मों की रीमेक प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। अब जानकारी सामने आ रही है कि दिग्गज अभिनेता जॉन अब्राहम ने मलयालम की सुपरहिट फिल्म नयट्टू की हिन्दी रीमेक के अधिकार हासिल कर लिए हैं। इस फिल्म को हिन्दी के अलावा तेलुगु और तमिल में भी बनाया जाएगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म की हिन्दी रीमेक को जॉन अपनी प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले बनाएंगे। जॉन की जेए एंटरटेनमेंट के सहयोग से फिल्म का निर्माण किया जाएगा। वहीं, साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इस फिल्म की तेलुगु रीमेक को बनाएंगे। फिलहाल इस फिल्म के तमिल संस्करण के प्रोड्यूसर के बारे में जानकारी नहीं मिली है। मलयालम फिल्म नयट्टू का निर्देशन मार्टिन प्राकट ने किया था। यह फिल्म इसी साल अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

ऑरिजनल फिल्म के निर्देशक मार्टिन ने बताया कि फिल्म नयट्टू की हिन्दी रीमेक का अधिकार जॉन को दिया गया है। यह दूसरी मलयालम फिल्म है, जिसके अधिकार जॉन ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी जेए एंटरटेनमेंट के बैनर तले खरीदे हैं। इससे पहले उन्होंने फिल्म अय्यपनम कोशियुम की हिन्दी रीमेक के अधिकार खरीदे थे। इस फिल्म में जॉन के साथ अभिनेता अभिषेक बच्चन नजर आ सकते हैं।

मार्टिन ने आगे बताया कि गीता आर्ट्स के बैनर तले अल्लू ने इस फिल्म के तेलुगु राइट्स खरीदे हैं। इस फिल्म के तमिल संस्करण को गौतम वासुदेव मेनन निर्देशित करने वाले हैं। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी इस संबंध में आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। नयट्टू को अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, लेकिन केरल में कोरोना के मामलों में वृद्धि के कारण कुछ दिनों के बाद सिनेमा हॉल बंद कर दिए गए थे।

कोरोना महामारी के चलते सिनेमाघरों के बंद हो जाने के कारण इस फिल्म को मेकर्स ने मई में नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया था। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली थीं। इस थ्रिलर फिल्म में कुंचाको बोबन, जोजू जॉर्ज और निमिषा सजयन जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में दिखे थे। इस फिल्म की पटकथा शाही कबीर ने लिखी थी। इस फिल्म को आईएमडीबी की वेबसाइट पर दस में से 8.2 रेटिंग्स मिले हुए हैं।

जॉन इस साल कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त रहेंगे। वह इस साल सत्यमेव जयते 2 में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा जॉन एक विलन रिटर्नस को लेकर चर्चा में हैं। वह संजय गुप्ता की मार्च में रिलीज हुई फिल्म मुंबई सागा में भी नजर आए हैं। इस फिल्म में उनके अलावा अभिनेता इमरान हाशमी और जैकी श्रॉफ भी दिखे थे। जॉन को शाहरुख खान की पठान में भी नेगेटिव रोल में देखा जाएगा।

जीभ पर जमी सफेद परत को साफ करने के लिए अपनाये ये घरेलू नुस्खे

आपने भी कई बार महसूस किया होगा कि आपकी जीभ पर सफेद मोटी परत जम गई है। ऐसे में जरूरी है कि आपको मालूम हो कि जीभ की सफाई किस तरह से की जानी चाहिए क्योंकि जीभ पर कई तरह के बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं। जिससे मुँह में छाले जैसी गभीर बीमारिया हो जाती है। जीभ को साफ करना बहुत आसान काम है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपको इसका सही तरीका पता हो। तो आइये जानते है जीभ की सफाई करने के कुछ घरेलू उपाय...

नमक – नमक जीभ की सफाई के लिए एक प्राकृतिक स्क्रब है। अपनी जीभ पर छोड़ा सफेद नमक छिड़कें, और फिर साफ टूथब्रश से स्क्रब करें। ध्यान रखें की टूथब्रथ मुलायम होना चाहिए। कड़े रेशों से जीभ में दर्द व छाले हो सकते हैं। इस विधि से एक हफ्ते में जीभ से सफेद परत साफ हो सकती है।

नारियल का तेल – एंटीसेप्टिक गुणों वाले नारियल के तेल से दिन में 2 बार कुल्ला करें। नारियल तेल का रोजाना इस्तेमाल करने से जीभ से सभी बैक्टीरिया का सफाया होता है और आपको एक साफ और गुलाबी जीभ मिलती है।

टूथब्रश – टूथब्रश जीभ की सफाई के लिए आसान घरेलू उपाय है। ब्रश कर लेने के बाद, टूथब्रश के पीछे के हिस्से को हल्के दबाव के साथ जीभ पर रगड़ें। तकरीबन एक से दो मिनट तक इस प्रक्रिया को करना चाहिए। ध्यान रहे, कम दबाव के साथ ही ऐसा करें, अन्यथा जीभ छिल सकती है। हल्दी – हल्दी पाउडर में थोड़ा सा नींबू का रस मिला लें। इस पेस्ट को जीभ पर मलें। उंगली सी मसाज जैसी करें। कुछ देर मसाज करने के बाद गुनगुने पानी से कुल्ला कर लें। इस विधि ा से जीभ की सफेद परत काफी जल्दी ठीक हो जाती है।